RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 271 , मंगलवार, 17 नवंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com





उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व संपन्न 03



कबड्डी प्रतियोगिता के लिए बीएनएमयू की टीम रवाना 04

चित्रांगदा सिंह ने की सलमान खान की जमकर तारीफ बोलीं- वो... 07

अलगाववाद को बढ़ावा देकर रची जा रही खतरनाक साजिश

भागवत बोले-भारत को बांटने की कोशिशें जारी,एकजुट रहें

जयपुर (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत को बांटने और लोगों में संघर्ष पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने अलगाववाद को बढ़ावा देने और छोटी पहचानों को बड़ा करने के प्रयासों पर चिंता जताई। भागवत ने ऐसे प्रयासों का मुकाबला करने के लिए एकता का आह्वान किया। भागवत रविवार को जोधपुर के शिकारपुरा स्थित श्री राजाराम आश्रम में थे। वह चार दिवसीय आरएसएस संगीत बैंड शिविर मरु निनाद 2026 के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत का उदय विश्व कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। कुछ ताकतें नहीं चाहतीं कि देश मजबूत बने। भागवत ने आरोप लगाया कि भारतीय समाज में विभाजन पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को आपस में लड़ाने और संघर्ष पैदा करने की कोशिशें हो रही हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जो अंग्रेजों ने किया, वही अब शैतानी ताकतों की राजनीति के माध्यम से दोहराया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपनी साझा पहचान याद रखने और एकजुट रहने का आग्रह किया। भागवत ने कहा कि हमें संगठित रहना होगा ताकि हमारी शक्ति बनी रहे और धर्म की रक्षा हो।



संगीत परंपरा और लत पर चेतावनी

आरएसएस प्रमुख ने विभिन्न प्रकार की लत के प्रति भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि यह केवल नशीले पदार्थों तक सीमित नहीं है, बल्कि इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसी लत भी है। भागवत ने आरएसएस की संगीत परंपरा के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि संगीत मनोरंजन के साथ-साथ साहस और आत्म-सम्मान को प्रेरित करने के लिए महत्वपूर्ण है। संगठन के संगीतकार पेशेवर नहीं हैं, बल्कि उनके प्रदर्शन भारतीय मूल्यों, अनुशासन और सामूहिक प्रयास का प्रतिनिधित्व करते हैं।

भारतीय सेना को अंदरूनी लोगों से है ज्यादा खतरा

- एयरफोर्स चीफ ने बताया, इस साल हनी ट्रैप के 4 मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरफोर्स चीफ आशुतोष दीक्षित ने कहा है कि विदेशी जासूसी नेटवर्क अब सिर्फ हनी ट्रैप तक सीमित नहीं हैं। वे साइबर जासूसी और दूसरे तरीकों से भारतीय रक्षा क्षेत्र से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें सोशल मीडिया पर प्यार में फंसाना, मल्टीलेवल मार्केटिंग और कर्ज के जाल में फंसाना जैसे तरीके शामिल हैं। हालांकि, अंदरूनी लोगों के जरिए जानकारी लीक होने का खतरा भी ज्यादा है। 2026 में हनी ट्रैप के चार मामले सामने आए हैं। इनमें नेवी के दो जवान, एक एयरफोर्स का विंग कमांडर और एक पूर्व सैनिक शामिल था। आशुतोष दीक्षित ने बताया कि इस तरह के खतरों से निपटने के लिए तकनीकी और संस्थागत स्तर पर कई उपाय किए गए हैं।



बिलकिस बानो केस के 2 दोषियों की उम्रकैद निलंबित

सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी,कहा-दोनों 17 साल से ज्यादा जेल में बिता चुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो गैंगरेप और हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे दो दोषियों को जमानत दे दी है। कोर्ट ने उनकी सजा पर निलंबित करते हुए कहा कि दोनों 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं। इनमें से एक दोषी गंभीर रूप से दिव्यांग है। कोर्ट ने दोनों को ट्रायल कोर्ट की ओर से तय शर्तों पर रिहा करने का आदेश दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने दोनों दोषियों बिपिनचंद्र जोशी और प्रदीप मोधिंया की याचिकाओं पर सुनवाई की। दोषियों ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 2017 के फैसले को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने दोनों की उम्रकैद की सजा बरकरार रखी थी। सुनवाई के दौरान दोषियों के वकील सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि दोनों 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं। एक दोषी का नाम एफआईआर में नहीं था और घटना के करीब 3 साल बाद उसे इस मामले में आरोपी बनाया गया था। उन्होंने कोर्ट को यह भी बताया कि एक दोषी गंभीर रूप से दिव्यांग है। वहीं, केंद्र सरकार की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल राजा ठाकरे ने जमानत की मांग का विरोध किया। हाईकोर्ट दोनों मामले से जुड़े सबूतों पर विचार कर चुके हैं।



संक्षिप्त समाचार

यूपी में ब्रेड से लेकर केक-पेस्ट्री तक की होगी जांच

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में ब्रेड, बिस्कुट, केक, पेस्ट्री, कुकीज, चॉकलेट और कैंडी बनाने व बेचने वाले कारोबारियों को अब खाद्य सुरक्षा के तय मानकों का सख्ती से पालन करना होगा। घटिया कच्चा माल, प्रतिबंधित रंगों का इस्तेमाल, अस्वच्छ तरीके से बनाए गए उत्पादों को लेकर भ्रामक दावे करने पर कार्रवाई होगी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने बेकरी और कन्फेक्शनरी कारोबार के



लिए स्टोरेज, उत्पादन, पैकेजिंग और बिक्री से जुड़े निर्देश जारी किए हैं। इनके तहत निर्माण इकाइयों के साथ कैफे और दुकानों के काउंटर भी जांच के दायरे में रहेंगे। **कच्चे माल की गुणवत्ता पर नजर-** मैदा, आटा, कोको पाउडर, अंडे, मेवे, मार्जरीन और शॉर्टनिंग जैसे कच्चे माल की नियमित जांच करनी होगी। इनमें फफूंद, बदरंग होने, दुर्गंध, संक्रमण या मिलावट के संकेत मिलने पर तत्काल अलग करना होगा। दूध, कस्टर्ड और पेस्ट्री फिलिंग जैसे जल्दी खराब होने वाले उत्पादों के भंडारण और परिवहन के दौरान कोल्ड चेन बनाए रखना जरूरी होगा। सात दिन से कम शेल्फ लाइफ वाले उत्पादों पर उपयोग की अंतिम तारीख भी लिखनी होगी।

आंखें बंद करता हूं तो सामने दिखते हैं दादा

पुणे (एजेंसी)। दिवंगत एनसीपी नेता अजीत पवार की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि दादा का अचानक और असामयिक निधन एक ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। उन्होंने अजित पवार के असामयिक निधन को न केवल महाराष्ट्र, बल्कि विशेष रूप से पुणे, बारामती, पिंपरी और चिंचवाड़ क्षेत्रों के लिए अपूरणीय क्षति बताया। गृह मंत्री ने कहा कि दादा का व्यक्तित्व इतना जीवंत और सकारात्मक था कि आज भी अगर मैं अपनी आंखें



बंद करूं तो मुझे दादा अपने ठीक सामने खड़े दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि दादा केवल उनके करीबी मित्र ही नहीं थे, बल्कि सच्चे सहयोगी भी थे। उनके जाने से देश ने एक जननेता खो दिया है। दादा के राजनीतिक जीवन को याद करते हुए अमित शाह ने कहा कि दिवंगत एनसीपी नेता की कार्यशैली भविष्य के राजनीतिक नेताओं के लिए एक विश्वविद्यालय की तरह काम करेगी। अमित शाह ने अजित पवार के राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें विकास की गहरी समझ थी। पंचायती राज, सहकारिता, कृषि और आधुनिक शहरी विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उन्हें व्यापक अनुभव हासिल था। उन्होंने कहा कि अजित पवार दूरदृष्टि और विजन रखने वाले नेता थे।

सीआरपीएफ पर हमला करने वाले 2 आतंकी ढेर

इनमें एक लश्कर कमांडर,जवानों पर 30 राउंड फायर किए थे



श्रीनगर (एजेंसी)। सीआरपीएफ पोस्ट पर तैनात जवानों पर 5 दिन पहले 30 राउंड फायर करने वाले दोनों आतंकियों को सेना ने कुलगाम जिले के लारू मार गिराया। इस हमले में 3 जवान घायल हो गए थे। कश्मीर जोन पुलिस ने एक्स पर बताया कि मरने वाला आतंकी लश्कर-ए-तैयबा का घाटी में एकमात्र बचा कमांडर लतीफ भट और उसका साथी उमर है। मारा गया आतंकी लतीफ भट इस साल कुलगाम और अनंतनाग में हुए सिलसिलेवार हमलों में शामिल था। इनमें अनंतनाग के लाल चौक में पुलिसकर्मियों की हत्या और कुलगाम में दो प्रवासी मजदूरों की हत्या शामिल है। सेना के एक अधिकारी के मुताबिक, आतंकियों की जानकारी मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों की जॉइंट टीम ने इलाके में घेराबंदी की थी। तलाशी के दौरान संदिग्ध ठिकाने के पास पहुंचते ही छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो



गई। करीब 3 घंटे चली मुड़भेड़ के बाद इन्हें मार गिराया। एनकाउंटर के दौरान सेना ने एनकाउंटर साइट के आसपास के स्कूलों से बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। सूत्रों ने बताया कि सीआरपीएफ की 46वीं बटालियन का दल नौपोरा अखरन इलाके में नियमित ड्यूटी पर तैनात था।

पोस्टर चस्पा होने के तीन दिन बाद आतंकी हमला

कश्मीर में वांछित आतंकियों के खिलाफ सुरक्षाबलों की कार्रवाई के बीच पोस्टर चस्पा होने के महज तीन दिन बाद कुलगाम में आतंकी हमला हुआ। श्रीनगर के लाल चौक समेत प्रमुख स्थानों पर रविवार को लश्कर-ए-ताइबा के स्थानीय आतंकी मोहम्मद लतीफ भट समेत चार वांछित आतंकियों के पोस्टर लगाए गए थे। बुधवार को कुलगाम के अखरन में सुरक्षाबलों के नाके पर हुई गोलीबारी में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए। रविवार को प्रताप पार्क, लाल चौक और श्रीनगर के अन्य प्रमुख स्थानों पर लगाए गए पोस्टरों में कुलगाम के खेवान चद्दर निवासी मोहम्मद लतीफ भट के अलावा सोपोर के बिलाल अहमद मीर, मोहम्मद उमर मीर और बारामुला के आबिद कयूम लोन की तस्वीरें और पते सार्वजनिक किए गए थे। इसके तीन दिन बाद बुधवार दोपहर करीब 2.15 बजे मीर बाजार के पास अखरन (नौपोरा) में नाके पर आतंकियों ने गोलीबारी की। हमलावरों ने फेरन के भीतर हथियार छिपा रखे थे। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद वे फरार हो गए।

पीएम मोदी आसियान समिट के लिए फिलीपींस पहुंचे

एयरपोर्ट पर फूल माला पहनाकर स्वागत, आज ट्रम्प से मुलाकात करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिन के दौरे पर सोमवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला पहुंचे हैं। एयरपोर्ट पर उनका फूल-माला पहनाकर स्वागत किया गया। मोदी 17 नवंबर को 23वें आसियान-भारत समिट और 21वें ईस्ट एशिया समिट में शामिल होंगे। इस दौरान उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भी मुलाकात होगी। दोनों नेता क्वाड देशों की बैठक में साथ बैठेंगे। इसमें भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के नेता हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

चीन के बढ़ते प्रभाव पर चर्चा कर सकते हैं क्वाड देश- क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। इसकी शुरुआत 2007 में हुई थी, लेकिन चीन की नाराजगी की आशंका



के चलते एक साल बाद इसकी बैठकें बंद हो गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 2017 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान इसे फिर से शुरू किया। इसका मकसद हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करना और चारों देशों के बीच सहयोग बढ़ाना है।

एसआईआर किसके इशारे पर हुआ, किसने बदला फॉर्म-6!

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग द्वारा दाखिल हलफनामे में वोट चोरी से जुड़े सवालों का कोई जवाब नहीं दिया गया है। कांग्रेस के अनुसार, इंडिया गठबंधन के नेताओं ने अब सुप्रीम कोर्ट से चुनाव आयोग से सीधे सवाल पूछने की अनुमति मांगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कांग्रेस ने जानकारी दी कि उसने आयोग के सामने 48 सवालों की एक सूची रखी है। पार्टी की मांग है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, दो अन्य चुनाव आयुक्त और आईटी महानिदेशक व्यक्तिगत रूप से इन सवालों के जवाब दें। कांग्रेस द्वारा जारी सवालों की लिस्ट में मुख्य रूप से यह पूछा गया है कि देशभर में एसआई कराने का निर्णय किसने लिया और फॉर्म 6 में बदलाव को किसने मंजूरी दी। इसके अलावा, ईसी नेट को केंद्रीकृत करने के फैसले पर भी सवाल उठाए गए हैं, जिसके तहत मतदाता सूची तक पहुंच पर केंद्रीय नियंत्रण लागू किया गया है। पार्टी ने यह स्पष्टीकरण भी मांगा है कि मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा लिए गए ऐसे कितने फैसले हैं, जिन पर अन्य दो चुनाव आयुक्तों ने असहमति जताई थी।

यूपी में सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से हो

राहुल गांधी बोले-हमें सबको साथ लेकर चलना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर अगले साल होने वाले चुनाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर सोमवार को पार्टी बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी ने कहा- सपा हमारी महत्वपूर्ण सहयोगी है। सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। सबको साथ लेकर चलना होगा। बैठक में सपा से सीट शेयरिंग पर चर्चा करने के लिए कमेटी बनाई गई है।



इसे प्रियंका गांधी लीड करेंगी। कमेटी में केसी वेणुगोपाल, यूपी प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, यूपी के वर्किंग प्रेसीडेंट इमरान मसूद शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी ने कहा- सपा हमारी महत्वपूर्ण सहयोगी है। सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। सबको साथ लेकर चलना होगा। कांग्रेस ने सपा को करीब 181 विधानसभा सीटों की सूची सौंपी है।

बदला सीएम के घर का नाम,आधी रात हुआ गृह प्रवेश

160 साल पुरानी कोठी में शिफ्ट होंगे डीके शिवकुमार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 160 साल पुराने और पुनर्निर्मित कुमार कृपा गेस्ट हाउस में रहने जा रहे हैं। इस गेस्ट हाउस का नाम बदलकर गंगा रख दिया गया है। सोमवार को डीके शिवकुमार के घर का पारंपरिक गृह प्रवेश समारोह हुआ। मुख्यमंत्री ने अपने परिवार के साथ, हिंदू परंपराओं और शास्त्रों के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान और विशेष पूजा करने के बाद इस हेरिटेज में प्रवेश किया। ये अनुष्ठान रविवार रात को शुरू हुए, जिसमें परिवार के सदस्यों ने तैयारियों में हिस्सा लिया। यह समारोह कार्तिक महीने के एक शुभ



समय पर आयोजित किया जा रहा है। पूजा और अन्य अनुष्ठान कराने वाले पुजारियों के दल का नेतृत्व नोनाविनाकेरे के संत अज्जैया कर रहे थे। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए इमारत के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। डीके शिवकुमार ने पूरी इमारत का जीर्णोद्धार इस तरह कराया है कि इसके मूल ऐतिहासिक ढांचे को कोई नुकसान न पहुंचे। 1880 में बनी यह दो मंजिला पत्थर की इमारत 14 एकड़ में फैली हुई है। इसमें 12 कमरे, एक बड़ा हॉल और एक रसोईघर है। इमारत के कमरों के नाम नदियों के नाम पर रखे गए हैं। यह इमारत मूल रूप से मैसूर के दीवान रहे सर के. शेषाद्रि अय्यर का निजी आवास था। भगवान कुमारस्वामी के परम भक्त होने के कारण उन्होंने नाम बदला था।

- **नवंबर के अंत तक रहने आएंगे-** पूर्व मुख्यमंत्री एस. निजलिंगप्पा भी यहां रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने भी कुछ समय तक इसी इमारत से अपना कामकाज संभाला था। मुख्यमंत्री शिवकुमार सदाशिवनगर स्थित अपने मौजूदा आवास से गंगा में शिफ्ट होंगे। उम्मीद है कि नवंबर के अंत तक वे अपने परिवार के साथ पूरी तरह से यहां रहने आ जाएंगे। इस कदम से कर्नाटक के मुख्यमंत्रियों द्वारा समय-समय पर इस्तेमाल किए गए अलग-अलग आधिकारिक आवासों की ओर भी लोगों का ध्यान गया है। कावेरी भी मुख्यमंत्रियों का एक प्रमुख आवास रहा है, जहां आर. गुंडू राव, वीरेंद्र पाटिल, बीएस येदियुरप्पा, जगदीश शेट्टार और अन्य पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं। गुंडू राव 1980 में कावेरी में रहते थे। पूर्व मुख्यमंत्री रमैया अभी भी वहीं रहते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी और डीवी सदानंद गौड़ा अनुग्रह से अपना कामकाज चलाते थे। हालांकि, वे दोनों अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए, इसलिए इस इमारत को मनहूस माना जाता है।

भारत से दूरी बढ़ा रहा अपना पड़ोसी बांग्लादेश!

नए उच्चायुक्त की तैनाती में देरी,गंगा जल संधि पर भी संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते केवल कूटनीतिक बयानों से नहीं, बल्कि समय पर उठाए गए कदमों से भी तय होते हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच इन दिनों कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक तरफ बांग्लादेश के नए उच्चायुक्त असद आलम सियाम के नई दिल्ली पहुंचने का इंतजार बढ़ता जा रहा है, तो दूसरी तरफ दोनों देशों के बीच गंगा जल बंटवारा संधि के भविष्य पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। संधि की समयसीमा करीब है, लेकिन इसके नवीनीकरण और बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की भारत यात्रा को लेकर अब तक कोई ठोस संकेत नहीं मिला है। असद आलम सियाम को भारत में बांग्लादेश का नया उच्चायुक्त बनाया गया है। राजनयिक सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने 8 नवंबर को विदेश सचिव का पद छोड़ने के बाद जल्द ही नई दिल्ली पहुंचने की योजना बनाई थी। हालांकि, अब उनके इस महीने के आखिर तक भारत आने की उम्मीद जताई जा रही है।



संक्षिप्त समाचार

छठ के बाद लौटने वालों के लिए रेलवे का इंतजाम, दिल्ली, मुंबई, 1 दिसंबर तक होगा परिचालन

हाजीपुर। हाजीपुर में छठ महापर्व के बाद बिहार से दूसरे राज्यों में लौटने वाले यात्रियों की संभावित भीड़ को देखते हुए पूर्व मध्य रेल ने कई स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं। ये ट्रेनें दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, पुणे, अहमदाबाद, बेंगलुरु, हैदराबाद, चंडीगढ़, अमृतसर और सूरत समेत प्रमुख शहरों के लिए चलेंगी। कुछ ट्रेनों का परिचालन रोजाना, जबकि कुछ का साप्ताहिक या निर्धारित तारीखों पर होगा। रेलवे की यह व्यवस्था 1 दिसंबर तक जारी रहेगी। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र ने बताया कि यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने और उनकी यात्रा आसान बनाने के लिए अलग-अलग रूटों पर विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। बरौनी से नई दिल्ली के लिए ट्रेन नंबर 02563 और दरभंगा से नई दिल्ली के लिए ट्रेन नंबर 02569 क्लोन स्पेशल 30 नवंबर तक रोज चलेगी। पटना से आनंद विहार के लिए ट्रेन नंबर 03293 का परिचालन 21 नवंबर तक प्रतिदिन होगा।



पाटलिपुत्र से आनंद विहार के लिए ट्रेन नंबर 04095 और सुपौल से नई दिल्ली के लिए ट्रेन नंबर 04071 स्पेशल ट्रेन 30 नवंबर तक रोज चलेगी। पटना से नई दिल्ली के लिए वंदे भारत स्पेशल ट्रेनें भी चलाई जा रही हैं। रेलवे ने मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, अहमदाबाद, हैदराबाद, चेन्नई और अन्य प्रमुख शहरों के लिए भी विशेष ट्रेनें चलाई हैं। इन ट्रेनों से छठ के बाद कामकाज और अन्य जरूरतों के लिए दूसरे राज्यों में लौटने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। हाजीपुर-बरौनी-खगड़िया-कटिहार रेलखंड से कानपुर-गुवाहाटी, गुवाहाटी-कानपुर, नारंगी-गोरखपुर, डिब्रूगढ़-गोरखपुर और पूर्णिया-फिरोजपुर स्पेशल ट्रेनें गुजरेंगी। हाजीपुर-बरौनी-किऊल-झाझा रेलखंड पर कोलकाता, गोरखपुर और आसनसोल समेत कई शहरों के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। इसके अलावा रक्सौल-नरकटियागंज, पटना-इसलामपुर, राघोपुर-देवघर और बक्सर-डीडीयू रूट पर भी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले संबंधित ट्रेन की तारीख, समय और ठहराव की जानकारी जरूर प्राप्त कर लें। इसके लिए रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या पूछताछ सेवा का सहारा लिया जा सकता है।

सड़क हादसे में मजदूर की मौत, परिवार के इकलौते कमाने वाले थे, पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा



हाजीपुर। वैशाली के सराय थाना क्षेत्र के बोआरिया में सड़क हादसे में 45 वर्षीय मजदूर संजय शर्मा की मौत हो गई। वे पटेढ़ी बेलसर थाना क्षेत्र के जारंग रामपुर गांव के रहने वाले थे। हादसे की सूचना मिलते ही सराय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर ले गई। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। संजय शर्मा मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी कमाई से ही घर का खर्च चलता था। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिजन सदर अस्पताल पहुंचे। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। फिलहाल हादसे के कारणों और परिस्थितियों की जानकारी सामने नहीं आई है।

जमीन पर रास्ता बनाने के विवाद में फायरिंग, सीने में गोली लगने से 19 वर्षीय युवती घायल

हाजीपुर। हाजीपुर के सदर थाना क्षेत्र के बिशनपुर वाला धारी में रविवार को जमीन पर रास्ता बनाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान फायरिंग में 19 वर्षीय युवती संगम कुमारी घायल हो गई। उसके सीने में गोली लगी है। परिजन उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसका उपचार किया। घायल संगम कुमारी स्थानीय निवासी महेश राय की बेटी है। महेश राय ने बताया कि मंदिर के पास उनकी जमीन है। आरोप है कि कुछ लोग वहां जबरन रास्ता बनाने की कोशिश कर रहे थे। इसका विरोध करने पर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया। महेश राय के अनुसार, विवाद के दौरान 4 से 5 राउंड गोलियां चलीं। इस दौरान उनकी बेटी संगम कुमारी को गोली लग गई। उन्होंने अनुज राय, कुंदन कुमार समेत कई लोगों पर फायरिंग करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए सदर थाने में लिखित शिकायत दी है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जानकारी ली। सदर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने घायल युवती को अस्पताल पहुंचाया है। दोनों पक्षों की शिकायत मिली है। मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।



गेस्ट हाउस संचालक समेत 2 पर हत्या का आरोप, कमरे में मिली थी जमीन कारोबारी की लाश

पटना। पटना में श्रीराम गेस्ट हाउस में 12 नवंबर को एक युवक की लाश मिली थी। पुलिस मान के चल रही थी कि ये सुसाइड का मामला है, पर 16 नवंबर को मृतक रवि कुमार सिंह की पत्नी डॉली कुमारी ने हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है। पत्नी के अनुसार रवि मध्य प्रदेश में जमीन का कारोबार करते थे। इसी सिलसिले में रवि 15 लाख रुपए लेकर पटना आए थे। डॉली ने आरोप लगाया है कि रवि का परिचित राजा तिवारी और होटल संचालकों ने मिलकर उसके पति की हत्या की है। हालांकि, इन आरोपों की पुलिस जांच कर रही है। घटना जक्कनपुर थाना से महज 300 मीटर दूर की है। होटल कर्मी राजा कुमार के मुताबिक, 10 नवंबर की रात करीब 9:45 बजे 2 लोग कमरा लेने पहुंचे थे। उन्हें 500 रुपए रोज के हिसाब से कमरा दिया गया था। रवि के साथ आए दूसरे व्यक्ति ने अपना नाम सुरेश वर्मा बताया था। उस समय उसका मोबाइल डिस्चार्ज था, इसलिए वह अपनी आईडी नहीं दे पाया था।



फर्श पर पड़ा था रवि का शवः राजा कुमार ने बताया कि 12 नवंबर की सुबह करीब 7:30 बजे वह कमरे का किराया लेने ऊपर गया। दरवाजा बंद था। दरवाजा खोलकर अंदर गया तो देखा फर्श पर रवि का शव पड़ा था। उसके गले में गमछा था। इसके बाद उसने होटल मालिक को सूचना दी। मालिक के कहने पर पुलिस को जानकारी दी गई। फिलहाल पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है।

होटल में नहीं लगे थे सीसीटीवी कैमरे, संचालक भी फरारः होटल की व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। श्रीराम गेस्ट हाउस में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे, जबकि पुलिस की ओर से होटल संचालकों को समय-समय पर कैमरे लगाने की हिदायत दी जाती है। घटना के बाद से होटल संचालक भी फरार बताए जा रहे हैं। रवि के साथ एक और आदमी ठहरा था, वो कौन है और कहां गया, इसके बारे में भी पता नहीं चला है।

तेज रफ्तार बाइक ने बच्ची को मारी टक्कर, ऑटो के कुचलने से मौत, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

एजेंसी, पटना

पटना के मनेर में छठ महापर्व के समापन के बाद लोग अपने घर लौट रहे थे, तभी दरवेशपुर पेट्रोल पंप के समीप सोमवार को हुए सड़क हादसे में 12 वर्षीय अंशु कुमारी की मौत हो गई। बच्ची सड़क पार कर दूध लेने जा रही थी, तभी तेज रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर से वह सड़क पर गिर गई। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक ऑटो ने उसे कुचल दिया और कुछ दूर तक घसीट दिया। गंभीर हालत में उसे पटना ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। अंशु दरवेशपुर निवासी गोविंदा महतो की बेटी थी। इस हादसे के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और सड़क पर आगजनी कर आवागमन बाधित कर दिया। पुलिस अधिकारी की घटों समझाइश के बाद भी लोग नहीं माने। हालांकि, बाद में लोग शांत हो गए, जिसके बाद हाइवे पर आवागमन फिर से शुरू कराया गया।

बाइक की टक्कर के बाद ऑटो ने कुचलाः प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अंशु सड़क पार कर रही थी, तभी शेरपुर निवासी ऋषभ कुमार की बाइक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद पीछे से आ रहे ऑटो ने बच्ची को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने बाइक और चालक को पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस घायल अंशु को मनेर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। हालांकि, एंबुलेंस से पटना ले जाने के दौरान ही उसने दम तोड़ दिया।



डायल 112 की टीम पर ग्रामीणों ने लगाए आरोपः हादसे के बाद बाइक को लेकर ग्रामीणों और डायल 112 की टीम के बीच विवाद हो गया। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने बाइक को अपने कब्जे में रखा था, लेकिन पुलिसकर्मी उसे छोड़ने का दबाव बना रहे थे। बाइक नहीं छोड़ने पर केस करने की बात कहे जाने से ग्रामीण नाराज हो गए। विरोध बढ़ने पर डायल 112 की टीम के मौके से चले जाने का भी आरोप लगाया गया। अस्पताल में बच्ची को अज्ञात बताकर ले जाने की बात पर भी ग्रामीणों ने नाराजगी जताई। उनका सवाल था कि हादसे के बाद सहयोग करने के बजाय बाइक छोड़ने के लिए दबाव क्यों बनाया गया।

शव रखकर सड़क जाम, टायर जलाकर किया प्रदर्शनः अंशु की मौत की खबर मिलते ही दरवेशपुर गांव में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने शव को मनेर-दानापुर मुख्य मार्ग पर रखकर जाम कर दिया। इस दौरान टायर जलाकर आगजनी की गई और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शनकारी मौके पर एसपी को बुलाने और उनके सामने डायल 112 की टीम से पूरे मामले में जवाब लेने की मांग कर रहे थे। इसके साथ ही बच्ची की मौत के मामले में जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की गई। सूचना मिलने पर मनेर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर जाम हटाने का प्रयास किया। काफी देर तक चले समझाने-बुझाने के बाद जाम समाप्त कराया गया। एसआइ अफसर अली शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया में जुटे थे। पुलिस ने बाइक चालक ऋषभ कुमार को हिरासत में ले लिया।

दो घंटे से अधिक बाधित रहा आवागमनः सड़क जाम के कारण मनेर-दानापुर मुख्य मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। दो घंटे से अधिक समय तक आवागमन बाधित रहने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी हुई। छठ महापर्व के बाद घर लौट रहे यात्री भी जाम में फंसे रहे।

छठ के दिन घर में पसरा मातमः बताया जाता है कि हादसे के समय अंशु के पिता गोविंदा महतो छठ व्रत कर रहे थे। पर्व के समापन के दिन बेटी की मौत की खबर ने परिवार को झकझोर दिया। जिस घर में छठ की खुशियां थीं, वहां देखते ही देखते मातम पसर गया। मां और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। अंशु की मौत से पूरे दरवेशपुर गांव में शोक की लहर है।

ई-रिक्शा गड्ढे में पलटा, चालक की मौत बाढ़-शहरी-सरमेरा सड़क पर हादसा

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़-शहरी-सरमेरा सड़क पर एक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। हादसे में चालक की मौत हो गई, जबकि ई-रिक्शा में सवार दो अन्य लोग घायल हो गए। घटना पुल के पास हुई। मृतक की पहचान सम्यागढ़ थाना क्षेत्र के शोभाठीका गांव निवासी संदीप चौहान (करीब 30 वर्ष) के रूप में हुई है। हादसे में गंभीर रूप से घायल संदीप को इलाज के लिए बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।



▪ अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में तोड़ा दम, दो लोग घायल

नियंत्रण खोने या दूसरे वाहन की टक्कर की आशंकाः ई-रिक्शा कैसे पलटा, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। आशंका जताई जा रही है कि चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया या किसी दूसरे वाहन ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में घायल दो अन्य सवारों को हल्की चोटें आई हैं। उनका इलाज पास के निजी अस्पताल में कराया जा रहा है।

पुलिस ने ई-रिक्शा जब्त किया, पोस्टमार्टम के लिए भेजा शवः घटना की सूचना मिलते ही भदौर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ई-रिक्शा को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

छठ पूजा विवाद, पीके ने राज ठाकरे को बताया 'लंपट'

एजेंसी, पटना

मुंबई में छठ पूजा को लेकर शुरू हुआ राजनीतिक विवाद अब बिहार और महाराष्ट्र की सियासत तक पहुंच गया है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे की छठ पूजा को लेकर की गई टिप्पणी के बाद राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने उनकी तुलना 'बरसाती मेंढक' से की। वहीं, जन सुराज प्रमुख और बांकीपुर विधायक प्रशांत किशोर (पीके) ने इस मुद्दे को लेकर मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'आप लोगों को ऐसे 'लंपट' लोगों को कोई अहमियत या मंच नहीं देना चाहिए।' अब शिवसेना (UBT) नेता और मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर ने रोहिणी आचार्य के बयान पर पलटवार किया है। किशोरी पेडनेकर ने रोहिणी पर निशाना साधते हुए कहा, "लालू-भालू की लड़की कुछ भी बात कर रही है। आ जाओ मुंबई, दिखा देते हैं।" उन्होंने कहा कि अगर रोहिणी को उद्धव ठाकरे या राज ठाकरे से बात करनी है तो उन्हें मुंबई आकर बात करनी चाहिए।



छठ पूजा का कभी विरोध नहीं किया - किशोरी पेडनेकरः किशोरी पेडनेकर ने स्पष्ट किया कि शिवसेना (UBT) हिंदू त्योहारों के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने कभी छठ पूजा का विरोध नहीं किया। उनकी आपत्ति केवल छठ पूजा के नाम पर होने वाली राजनीति को लेकर है। उन्होंने कहा, 'मुंबई में उत्तर भारतीय समुदाय लंबे समय से छठ पूजा करता आ रहा है और यह शहर के लिए कोई नई परंपरा नहीं है।'

पुराने वार्ड का उदाहरण दियाः पेडनेकर ने अपने पुराने चुनावी क्षेत्र वार्ड नंबर 199 का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्ष 2017 में यहां बिहार और उत्तर प्रदेश के 900 से अधिक परिवार रहते थे। उनके मुताबिक, उस समय भी धोबी घाट के पास बने तालाबों में छठ पूजा होती थी। पूजा के दौरान रोशनी, संगीत और अन्य व्यवस्थाएं भी की जाती थीं। श्रद्धालु तालाबों के किनारे दीप जलाकर पूजा-अर्चना करते थे।

▪ रोहिणी आचार्य के बयान पर किशोरी बोलीं- 'लालू-भालू की लड़की कुछ भी बात कर रही'

रोहिणी ने राज ठाकरे को बताया था 'बरसाती मेंढक'ः इस विवाद की शुरुआत राज ठाकरे की छठ पूजा को लेकर टिप्पणी के बाद हुई। रोहिणी आचार्य ने राज ठाकरे की तुलना 'बरसाती मेंढक' से करते हुए कहा था कि जैसे मानसून आते ही मेंढक बाहर निकलते हैं, उसी तरह छठ पर्व नजदीक आते ही राज ठाकरे बयानबाजी शुरू कर देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज ठाकरे मीडिया की सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह के बयान देते हैं। रोहिणी ने कहा था कि महाराष्ट्र भी भारत का हिस्सा है और देश के किसी भी नागरिक को अपनी आस्था के अनुसार किसी भी राज्य में पर्व मनाने, रहने और चुनाव लड़ने का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने छठ को लेकर की गई टिप्पणी को बिहारवासियों की धार्मिक भावनाओं से जोड़ते हुए राज ठाकरे पर निशाना साधा था।

प्रशांत किशोर ने राज ठाकरे को बताया 'लंपट'ः MNS प्रमुख राज ठाकरे के X पोस्ट कर मुंबई के रेलवे स्टेशनों में बजाए जा रहे छठ और भोजपुरी गानों को 'महाराष्ट्र की संस्कृति पर हमला बताया था। साथ ही रेलवे स्टेशनों पर बज रहे भोजपुरी गाने बंद करवा दिया था। इस पर जन सुराज चीफ और बांकीपुर विधायक प्रशांत किशोर ने राज ठाकरे को खूब खरी-खरी सुनाई। प्रशांत किशोर ने मीडिया से कहा, "जब कोई उन पर ध्यान नहीं देता, तो वे UP और बिहार के लोगों के बारे में कुछ टिप्पणी करके मीडिया में जगह बना लेते हैं। आप लोगों को ऐसे 'लंपट' लोगों को कोई अहमियत या मंच नहीं देना चाहिए।

छठ पूजा के लिए घाट गए शिक्षक के घर चोरी, पटना में घर का दरवाजा-अलमारी तोड़ा

20 लाख के जेवर-नकदी पार, सुबह परिवार लौटा तो उड़े होश

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारीशरीफ में छठ पूजा के दौरान घर बंद छोड़कर घाट जाना एक शिक्षक परिवार को महंगा पड़ गया। चोरों ने सोमवार सुबह चक बैरिया स्थित शिक्षक के घर को निशाना बनाकर करीब 20 लाख रुपए के जेवर और नकदी चोरी कर ली। वारदात के समय शिक्षक अपने परिवार के साथ अर्घ्य देने सूरज मंदिर के तालाब गए थे। करीब दो घंटे बाद जब परिवार लौटा तो घर के दरवाजों के ताले टूटे मिले और कमरों का सामान बिखरा पड़ा था।



सुबह 5 बजे घाट गए, 7 बजे लौटे तो टूटे मिले तालेः सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि वे सोमवार सुबह करीब 5 बजे परिवार के साथ चक बैरिया स्थित सूरज मंदिर के तालाब पर छठ का अर्घ्य देने गए थे। इसी दौरान चोरों ने बंद घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया।

सोने की अंगूठियां, चेन और गहने चोरी किएः चोरों ने घर के दरवाजों के ताले तोड़कर कमरों की तलाशी ली। इसके बाद गोदरेज अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखी सोने की अंगूठियां, चेन और अन्य आभूषण निकाल लिए। ड्रेसिंग में रखे जेवर और नकदी भी चोर अपने साथ ले गए। सुबह करीब 7 बजे पूजा से लौटने पर परिवार ने घर के कई दरवाजों के ताले टूटे देखे। कमरों में सामान बिखरा था और गोदरेज अलमारी खुली हुई थी। जांच करने पर जेवर और नकदी गायब मिले।

सूचना पर पहुंची पुलिस, आसपास के लोगों से पूछताछः घटना के बाद पीड़ित परिवार ने गोपालपुर थाने को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस चोरों की पहचान और गिरोह का पता लगाने में जुटी है। छठ पूजा के दौरान सुबह-सुबह हुई इस चोरी से इलाके के लोगों में दहशत है।

छठ का प्रसाद बनाते समय लगी आग, 8 लोग झुलसे

एजेंसी, पटना

पटना में रविवार की रात छठ पूजा का प्रसाद बनाते समय घर में आग लग गई। गैस लीक होने से हादसा हुआ और आग की लपटें घर के दूसरे कमरों तक पहुंच गई। जहां कपड़े जलकर राख हो गए। एक फ्रिज भी जल गया। अगलगी में परिवार के 8 लोग झुलस गए हैं। इनमें 3 बच्चे, 3 महिलाएं और 2 पुरुष हैं। महिलाओं की स्थिति गंभीर है। जिन्हें इलाज के लिए पीएमसीएच ले जाया गया है। परिवार ने सुबह का अर्घ्य भी नहीं दिया। घटना परसा बाजार थाना क्षेत्र के खैराटाली गांव की है। घायलों की पहचान रूबी देवी (43), रेशमी देवी (40), सीमा देवी (35), सूरज कुमार केसरी (38), मनीष केसरी (32), गुड़िया रानी (1), प्रियांशु कुमार (8) और प्रियांशु कुमार (10) के रूप में हुई है। परिवार के विमल कुमार ने बताया कि घर में जहां छठ पूजा की तैयारियां चल रही थीं, वहीं हादसे के बाद चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल हो गया। परिवार की महिलाएं मां रीता देवी और बहन सोनी देवी छठ व्रत कर रही थीं, लेकिन घर के कई सदस्यों के झुलसने और अस्पताल में भर्ती होने के कारण छठ पूजा पूरा नहीं कर पाए। घायल विमल कुमार ने बताया कि आग लगने के बाद परिवार के लोग एक-दूसरे को बचाने की कोशिश कर रहे थे। कमरे में मामी रूबी देवी, भाभी रेशमी देवी और सीमा देवी, भाई सूरज कुमार केसरी और मनीष केसरी, भतीजी गुड़िया रानी और भतीजा प्रियांशु मौजूद थे।



बिहार में बढ़ने लगी ठंड, सुबह-शाम गिरेगा तापमान

एजेंसी, पटना

बिहार में नवंबर के दूसरे हफ्ते की शुरुआत के साथ ही मौसम का मिजाज बदलने लगा है। सुबह और शाम के समय तापमान में गिरावट से हल्की ठंड महसूस होने लगी है। हालांकि, दिन में धूप निकलने से मौसम सामान्य बना हुआ है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, सोमवार को प्रदेश के जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। किसी भी जिले के लिए बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया गया है।



सुबह हल्का कोहरा छाए रहने की संभावनाः राज्य के ज्यादातर हिस्सों में सुबह हल्का से मध्यम कोहरा या धुंध छाई रह सकती है। दिन चढ़ने के साथ आसमान साफ होगा और धूप निकलने से तापमान में बढ़ोतरी होगी। आज प्रदेश में अधिकतम तापमान करीब 30 से 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16 से 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। हालांकि, अलग-अलग जिलों में तापमान का अंतर बना रहेगा।

राजधानी पटना में सुबह हल्का कोहरा और धुंध रहने के बाद आसमान साफ रहने का अनुमान है।

21 नवंबर को पीएम करेंगे शिलान्यास-उद्घाटन, चिराग ने परखी तैयारियां, कहा-युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के नए अवसर

एजेंसी, हाजीपुर

वैशाली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 21 नवंबर को वैशाली जिले के राजापाकर में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। सोमवार को केंद्रीय मंत्री और हाजीपुर सांसद चिराग पासवान कार्यक्रम स्थल पहुंचे और तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर मंच निर्माण, सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, पेयजल और लोगों की सुविधाओं पर चर्चा की। चिराग ने सभी तैयारियां तय समय पर पूरी करने का निर्देश दिया। बैठक में चिराग पासवान ने अधिकारियों से कार्यक्रम में आने वाले लोगों की सुविधा और आसान आवागमन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने पर जोर दिया। बैठक के बाद उन्होंने कार्यक्रम स्थल के अलग-अलग हिस्सों का निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों की प्रगति देखी। पत्रकारों से बातचीत में चिराग पासवान ने कहा कि 21 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र के राजापाकर में होना क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान जनता से किए गए वादों को डबल इंजन की सरकार एक-एक कर पूरा कर रही है। इन वादों को पूरा करने की शुरुआत उनके संसदीय क्षेत्र से हो रही है।



इलेक्ट्रॉनिक सिटी से बढ़ेंगी निवेश की संभावनाएंः चिराग ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विकसित भारत का लक्ष्य दिया है और इसके लिए विकसित बिहार जरूरी है। बिहार में कनेक्टिविटी, बिजली और पानी की व्यवस्था बेहतर होने से बड़े उद्योगों और कंपनियों के निवेश के लिए अनुकूल माहौल बन रहा है। राजापाकर को विकास की नई संभावनाओं के केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। यहां इलेक्ट्रॉनिक सिटी को बढ़ावा देने के साथ फूड प्रोसेसिंग से जुड़े क्लस्टर स्थापित किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम) की स्थापना को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि फिलहाल देश में निफ्टेम के दो संस्थान हैं। एक हरियाणा के कुंडली और दूसरा तमिलनाडु के तंजावुर में है। तीसरे संस्थान की घोषणा पिछले बजट में की गई थी। बिहार में फूड प्रोसेसिंग क्लस्टर के लिए बड़ी कंपनियों और प्रोसेसिंग ब्रांड्स के साथ एमओयू भी हुए हैं। चिराग पासवान ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक सिटी और फूड प्रोसेसिंग से जुड़ी परियोजनाएं क्षेत्र की प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने और आर्थिक स्थिति मजबूत करने में मददगार होंगी। इनसे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के हाथों 21 नवंबर को होने वाले शिलान्यास और उद्घाटन बिहार के विकास में मील का पत्थर साबित होंगे।

संक्षिप्त समाचार

ऋषिकुल आश्रम मठ में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 11 दिवसीय रुद्र महायज्ञ का भव्य शुभारंभ



बीएनएम@ संग्रामपुर। प्रखंड क्षेत्र स्थित ऋषिकुल आश्रम मठ परिसर में सोमवार को भव्य जलयात्रा के साथ 11 दिवसीय श्री श्री 1008 श्री रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। जलयात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। जलयात्रा संग्रामपुर प्रखंड चौक से गाजे-बाजे और घोड़ों के साथ भव्य शोभायात्रा के रूप में निकाली गई। शोभायात्रा मिश्रग्राम एवं पूछरिया तिवारी टोला होते हुए पूछरिया काली मंदिर के समीप पवित्र गंडक नदी के तट पर पहुंची। वहां आचार्य मदन मिश्र एवं उपाचार्य अनुराग पाण्डेय के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने कलश में पवित्र जल भरा। इसके बाद श्रद्धालु कलश लेकर जय श्रीराम के जयकारे लगाते हुए यज्ञ स्थल ऋषिकुल आश्रम मठ पहुंचे। महायज्ञ के आयोजक स्वामी हरदेवानंद सरस्वती एवं अभयानंद सरस्वती ने बताया कि 16 नवंबर से प्रारंभ हुआ यह धार्मिक अनुष्ठान आगामी 27 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान प्रतिदिन धार्मिक प्रवचन, रासलीला सहित विभिन्न आध्यात्मिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जलयात्रा को सफल बनाने में पूर्व मुखिया एवं पैक्स अध्यक्ष दिग्विजय उर्फ पिंकू सिंह, भोला सिंह, विकास मिश्र सहित हजारों श्रद्धालुओं एवं स्थानीय ग्रामीणों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महायज्ञ के शुभारंभ के साथ ही ऋषिकुल आश्रम मठ परिसर में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का माहौल कायम हो गया है। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

बाइक सटने के विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट, वायरल वीडियो पर पुलिस की कार्रवाई

बीएनएम@ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के मानिकपुर चौक पर बाइक सटने को लेकर शुरू हुआ विवाद दूसरे दिन मारपीट में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच हुई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का सत्यापन कर प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 14 नवंबर को मानिकपुर चौक पर अखिलेश कुमार (पिता राजेंद्र साह) और अल्ताफ अंसारी (पिता मनीर मियां), दोनों निवासी मानिकपुर के बीच बाइक सटने को लेकर विवाद हुआ था। हालांकि, विवाद के बाद दोनों अपने-अपने घर चले गए और किसी पक्ष ने थाने में शिकायत नहीं की। अगले दिन 15 नवंबर को अल्ताफ अंसारी बाजार से घर लौट रहे थे। इसी दौरान अखिलेश साह ने उन्हें घर के पास रोककर पिछले दिन हुए विवाद के संबंध में पूछताछ की। इसी बात को लेकर दोनों के बीच फिर विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए और मारपीट होने लगी। स्थानीय लोगों की सूचना पर हरसिद्धि पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने स्थानीय चौकीदार के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले में चिह्नित आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है।

जमीन विवाद में खूनी संघर्षः चाकूबाजी में एक की मौत और दंपती समेत दो घायल

तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस कैंप तैनात



बीएनएम@ सुगौली। थाना क्षेत्र के करमवा रघुनाथपुर पंचायत अंतर्गत करमवा गांव में सोमवार की सुबह जमीन के मालिकाना हक को लेकर हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। विवादित जमीन पर लगे पेड़ को काटने को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट और चाकूबाजी हुई। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक दंपती गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। एहतियातन पुलिस गांव में कैंप कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, करमवा गांव निवासी परमा शर्मा के पुत्र ज्वाला कुमार सोमवार की सुबह विवादित जमीन पर लगे पेड़ को काटने पहुंचे थे। इसकी जानकारी मिलने पर गांव के ही चतुरी यादव के पुत्र चंद्र किशोर यादव ने इसका विरोध किया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में तब्दील हो गई। इसी दौरान ज्वाला कुमार ने चंद्र किशोर यादव पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। चंद्र किशोर यादव की मौत की खबर मिलते ही उनके परिजन आक्रोशित हो गए और ज्वाला कुमार के घर पर हमला बोल दिया। इस दौरान ज्वाला कुमार और उनकी पत्नी उषा देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों घायलों को तत्काल सुगौली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, मोतिहारी रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया। घटनास्थल पर पहुंचे एसडीपीओ सदर-1 दिलीप कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, गांव में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए पुलिस कैंप कर रही है। मौके पर आरक्षी निरीक्षक मुन्ना कुमार और थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौजूद हैं।

पहाड़पुर में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, गांव में पसरा मातम

बीएनएम@ पहाड़पुर। थाना क्षेत्र के कैथोलिया गांव में एक 24 वर्षीय युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान रोहित कुमार (24 वर्ष), पिता स्वर्गीय लंगटू पटेल, निवासी कैथोलिया, थाना पहाड़पुर, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, बीती रात पुलिस को सूचना मिली कि रोहित कुमार ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। हालांकि, युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व संपन्न

बीएनएम@ सुगौली

नगर पंचायत और नदी के छठ घाटों पर पुलिस व प्रशासन रहा मुस्तैद



उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही सोमवार को प्रखंड क्षेत्र में लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का संदेश देने वाले इस महापर्व में सभी जाति और वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। छठ व्रतियों और उनके परिजनों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न जलाशयों के तटों पर बने छठ घाटों पर सामाजिक संगठनों, समाजसेवियों और स्थानीय प्रशासन की ओर से बेहतर व्यवस्था की गई थी। सिकरहना नदी स्थित मुख्य छठ घाट सहित नगर पंचायत के विभिन्न छठ घाटों पर आवागमन के रास्तों, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया था। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। पुलिस की गश्ती टीमें सभी छठ घाटों और वहां तक पहुंचने वाले मार्गों पर लगातार निगरानी करती रहीं। वहीं, नगर के प्रमुख चौक-चौराहों पर भी पुलिस बल की तैनाती की गई थी, ताकि छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। प्रखंड के सबसे बड़े और अधिक भीड़ जुटने वाले सिकरहना नदी स्थित मुख्य छठ घाट पर स्थानीय प्रशासन की ओर से नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया था। अंचलाधिकारी कुंदन कुमार सहित प्रतिनियुक्त पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी नियंत्रण कक्ष से घाटों की व्यवस्थाओं और सुरक्षा की लगातार निगरानी करते रहे। वहीं, थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह एवं पुलिस निरीक्षक मुन्ना कुमार स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर नगर पंचायत सहित पूरे प्रखंड क्षेत्र की विधि-व्यवस्था की जानकारी लेते रहे। प्रशासनिक सतर्कता और स्थानीय लोगों के सहयोग से चार दिवसीय छठ महापर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

पीपल के पत्ते पर सम्राट चौधरी की तस्वीर उकेर मधुरेंद्र ने दी जन्मदिन की अनोखी बधाई

बीएनएम@ मोतिहारी



मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के जन्मदिन पर अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त सैंड एवं लीफ आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने अनोखे अंदाज में बधाई दी। उन्होंने पीपल के हरे पत्ते पर मुख्यमंत्री की सूक्ष्म तस्वीर उकेरकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। इस कलाकृति को तैयार करने में करीब तीन घंटे लगे। चाकू की नुकीली धार से बनाई गई तस्वीर के साथ उन्होंने अंग्रेजी में 'हैप्पी बर्थडे सम्राट चौधरी, सीएम बिहार' भी अंकित किया। मधुरेंद्र ने मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और दीर्घायु जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में बिहार विकास की नई ऊंचाइयों को छुए, यही उनकी शुभकामना है। उन्होंने बताया कि पीपल के नाजुक पत्ते पर इतनी बारीकी से तस्वीर बनाना चुनौतीपूर्ण होता है। इसके लिए धैर्य, एकाग्रता और हाथों पर विशेष नियंत्रण जरूरी है। गौरतलब है कि मधुरेंद्र ने हाल ही में छठ पूजा पर दो सेंटीमीटर के पीपल के पत्ते पर अर्घ्य देती छठव्रतियों की तस्वीर बनाई थी। वहीं, अयोध्या दीपोत्सव 2026 में 58 फीट लंबी राम दरबार एवं राम मंदिर की रेत कलाकृति तैयार कर अपनी कला का प्रदर्शन किया था।

श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया लोक आस्था का महापर्व छठ

बीएनएम@ रामगढ़वा



लोक आस्था एवं सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा सतपिपरा भूमिहारी टोला में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूरे श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। छठ महापर्व के संध्याकालीन अर्घ्य के अवसर पर व्रतियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया तथा छठी मैया की विधिवत पूजा-अर्चना कर अपने परिवार एवं समाज की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। चार दिवसीय इस कठिन एवं पवित्र व्रत को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला। महापर्व की शुरुआत नहाय-खाय से हुई। इसके बाद दूसरे दिन खरना का प्रसाद ग्रहण कर व्रतियों ने 36 घंटे का निर्जला व्रत आरंभ किया। इसी क्रम में रविवार की संध्याकाल में डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर भगवान सूर्य की आराधना की गई। इस दौरान पूरे सतपिपरा भूमिहारी टोला में छठी मैया के पारंपरिक गीतों और भक्तिमय वातावरण से माहौल पूरी तरह आध्यात्मिक बना रहा। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और आस्था के साथ पूजा-अर्चना में भाग लिया। छठ महापर्व न केवल सूर्य उपासना और आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह सामाजिक एकता, आपसी प्रेम, भाईचारे और समृद्ध लोक संस्कृति का भी संदेश देता है। वहीं, सोमवार की सुबह उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का विधिवत समापन हो गया। प्रातःकालीन अर्घ्य को लेकर व्रतियों एवं श्रद्धालुओं में खासा उत्साह और उमंग देखने को मिला।

छठ घाट की सजावट के दौरान पोखर में डूबने से 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत

बीएनएम@ घोड़ासहन



आस्था के महापर्व छठ के दिन घोड़ासहन थाना क्षेत्र के श्रीपुर खास गांव में एक दर्दनाक हादसे में 40 वर्षीय व्यक्ति की पोखर में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव के ही देवराज राम के पुत्र रुदल राम के रूप में हुई है। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और छठ पर्व की खुशियां मातम में बदल गईं। मिली जानकारी के अनुसार, रुदल राम श्रीपुर खास स्थित छठ घाट के पोखर पर सजावट के कार्य में जुटे थे। इसी दौरान असावधानी वस अचानक गहरे पानी में चले जाने के कारण वे डूब गए। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने काफी देर तक पोखर में उनकी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद स्थानीय प्रशासन ने घोड़ासहन क्षेत्र के गोताखोर लोचन सहनी से संपर्क किया। बताया जाता है कि लोचन सहनी पूर्व में भी कई बार प्रशासन की मदद से पोखर एवं अन्य जलस्रोतों में डूबे लोगों के शवों की तलाश कर चुके हैं। प्रशासन की सूचना पर पहुंचे लोचन सहनी ने शव की खोजबीन में मदद की। घटना की सूचना मिलते ही घोड़ासहन थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार, आर ओ सकलदेव कुमार एवं सर्किल इंस्पेक्टर धनंजय कुमार निर्दोष पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया। बताया जाता है कि रुदल राम अपने पीछे पत्नी और तीन बेटों समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, पूरे गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।

एक दशक से छठ कर रहे पत्रकार विक्की विजेन्द्र ने सूर्य को अर्घ्य देकर मांगी क्षेत्र की खुशहाली

बीएनएम@ घोड़ासहन



लोकआस्था, पवित्रता, तप, त्याग और आत्मानुशासन के महापर्व छठ के पावन अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। नदियों, सरोवरों एवं जलाशयों के तट पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रतियों ने भगवान भास्कर और छठी मैया से अपने परिवार, समाज तथा संपूर्ण क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और मंगलमय भविष्य की कामना की। पारंपरिक छठ गीतों की मधुर स्वर-लहरियों और सूर्योपासना की आध्यात्मिक ऊर्जा से संपूर्ण वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो उठा। इस अवसर पर आस्था और पेशेवर दायित्वों के बीच अद्भुत सामंजस्य की एक प्रेरक तस्वीर भी सामने आई। पत्रकारिता के चुनौतीपूर्ण एवं व्यस्त जीवन में निरंतर सक्रिय रहने वाले पत्रकार विक्की विजेन्द्र विगत दस वर्षों से अनवरत छठ महापर्व का व्रत पूरी श्रद्धा, निष्ठा और आध्यात्मिक समर्पण के साथ करते आ रहे हैं। उनका एक दशक लंबा यह साधनामय सफर केवल धार्मिक आस्था का परिचायक नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प, आत्मसंयम और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता का भी सशक्त उदाहरण है। दरअसल, छठ महापर्व भारतीय लोकसंस्कृति की उन महान आध्यात्मिक परंपराओं में से एक है, जिसमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण, आत्मशुद्धि और सामाजिक समरसता का अद्भुत समावेश दिखाई देता है। चार दिनों तक चलने वाला यह कठिन अनुष्ठान व्रतियों से अटूट धैर्य, कठोर अनुशासन, पवित्रता और अदम्य इच्छाशक्ति की अपेक्षा करता है। भगवान सूर्य की उपासना के माध्यम से मानव जीवन को ऊर्जा, प्रकाश और सकारात्मकता प्रदान करने वाली इस परंपरा का प्रत्येक विधान अपने भीतर गहन आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदेश समेटे हुए है। इस तस्वीर में पत्रकार विक्की विजेन्द्र हाथ जोड़कर अस्ताचलगामी सूर्यदेव के समक्ष नतमस्तक दिखाई दे रहे हैं। उनके चेहरे पर परिलक्षित शांति, आत्मिक संतोष और श्रद्धा उनके आध्यात्मिक विश्वास की गहराई को अभिव्यक्त करती है। अर्घ्य अर्पित करते हुए उनकी यह भावपूर्ण मुद्रा इस बात की प्रतीक है कि जीवन की तमाम व्यस्तताओं और पेशेवर जिम्मेदारियों के बीच भी मनुष्य अपनी आस्था, संस्कार और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ा रह सकता है। खास बात यह है कि जो व्यक्ति प्रतिदिन समाज की समस्याओं, जनसरोकारों और जनहित के मुद्दों को अपनी एंकरिंग व लेखनी के माध्यम से अभिव्यक्ति देता है, वही व्यक्ति जब आस्था के इस महापर्व पर एक साधारण श्रद्धालु के रूप में सूर्यदेव और छठी मैया के चरणों में स्वयं को समर्पित करता है, तो यह दृश्य मानवीय संवेदना और आध्यात्मिक चेतना का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करता है। पत्रकार विक्की विजेन्द्र की दस वर्षों से चली आ रही यह अनवरत परंपरा इस तथ्य को रेखांकित करती है कि सच्ची आस्था किसी पेशे, पद, प्रतिष्ठा अथवा व्यस्त दिनचर्या की सीमाओं में बंधी नहीं होती। इसके लिए आवश्यक है तो केवल निर्मल मन, अटूट विश्वास और संकल्प के प्रति पूर्ण निष्ठा। इस पावन अवसर पर उन्होंने अस्ताचलगामी सूर्यदेव को विधिवत अर्घ्य अर्पित कर छठी मैया से अपने परिवार के साथ-साथ समाज और संपूर्ण क्षेत्र में सुख, शांति, सद्भाव, समृद्धि एवं खुशहाली बनाए रखने की मंगलकामना की। उनकी यह साधना न केवल व्यक्तिगत श्रद्धा का प्रकटीकरण है, बल्कि अपनी लोकपरंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति अटूट अनुराग की भी सार्थक अभिव्यक्ति है।

आगामी 20 दिसंबर को लगेगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर



बीएनएम@ सिकटा

पश्चिम चंपारण जिले के सिकटा प्रखंड अंतर्गत कंगली थाना क्षेत्र की मसवास पंचायत के बहुअरवा गांव में आगामी 20 दिसंबर 2026 को जियोदय हेल्थ केयर की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल होंगे, जो मरीजों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराएंगे। इसके साथ ही जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की जाएंगी। शिविर में विभिन्न प्रकार की बीमारियों से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं की जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा का लाभ पहुंचाना है। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी लोगों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर इस निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा का लाभ उठाएं।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ संपन्न हुआ लोक आस्था का महापर्व छठ

बीएनएम@ संग्रामपुर



लोक आस्था, पवित्रता, त्याग और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हो गया। प्रखंड के बिनटोली स्थित नारायणी घाट व सभी पंचायतों के विभिन्न छठ घाटों पर अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। छठव्रतियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं पूरे विधि-विधान के साथ भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु तथा समाज में सुख-शांति और खुशहाली की कामना की। महापर्व को लेकर प्रखंड क्षेत्र में पिछले कई दिनों से उत्साह और तैयारियों का माहौल बना हुआ था। नहाय-खाय से शुरू हुए इस पर्व के दौरान खरना, अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य और सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने तक श्रद्धालु पूरी निष्ठा और आस्था के साथ पूजा-अर्चना में जुटे रहे। सोमवार की सुबह जैसे ही आसमान में भगवान सूर्य की लालिमा दिखाई देने लगी, वैसे ही छठ घाटों पर शंखध्वनि, छठी मइया के पारंपरिक गीतों और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। पंडित आचार्य श्यामकांत द्विवेदी ने कहा कि छठ महापर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, अनुशासन, त्याग और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का महान पर्व है। इस पर्व में भगवान सूर्य की उपासना के साथ छठी मइया की आराधना की जाती है। डूबते और उगते, दोनों सूर्य को अर्घ्य अर्पित करना जीवन में संतुलन, आस्था और प्रकृति के सम्मान का संदेश देता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से पर्व की पवित्रता, परंपरा और सामाजिक एकता को बनाए रखने की अपील की। छठ पूजा को शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी मुकेश कुमार लगातार सक्रिय रहे। उन्होंने प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया और पर्व के दौरान व्यवस्थाओं पर लगातार नजर बनाए रखी। वहीं, संग्रामपुर थानाध्यक्ष नितेश कुमार भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह मुस्तैद रहे। प्रखंड प्रशासन की निगरानी और पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी के बीच श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण माहौल में पूजा-अर्चना की। अधिकारियों की सक्रियता के कारण घाटों पर व्यवस्था बनाए रखने में काफी मदद मिली। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बावजूद प्रशासनिक निगरानी लगातार बनी रही। उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के बाद छठव्रतियों ने पारण कर लगभग 36 घंटे के निर्जला उपवास का समापन किया। इसके बाद घरों में प्रसाद वितरण किया गया। परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने एक-दूसरे को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। छठ महापर्व ने एक बार फिर संग्रामपुर प्रखंड में सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे, सहयोग और सामूहिक आस्था की सुंदर तस्वीर प्रस्तुत की। इसी के साथ चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में संपन्न हो गया।

संक्षिप्त समाचार

जीपीएस ट्रैकर से मिलीआ चोरी की बाइक, गोपालगंज के दो आरोपित गिरफ्तार

बीएनएम @ पहाड़पुर/मलाही। मलाही बाजार से चोरी हुई मोटरसाइकिल को पुलिस ने GPS ट्रैकर की मदद से बरामद कर लिया। मामले में गोपालगंज जिले के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान विशंभरपुर थाना क्षेत्र के खेममठहनिया गांव निवासी बिंदु रावत, पिता केदार रावत और साजन कुमार, पिता जगदीश रावत के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मलाही बाजार से मोटरसाइकिल चोरी होने की सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू की। चोरी गई बाइक में लगे GPS ट्रैकर के माध्यम से उसकी लोकेशन का पता लगाया गया। इसके बाद पुलिस टीम ने गोपालगंज बॉर्डर के समीप छापेमारी कर मोटरसाइकिल बरामद की और दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में मलाही थाना कांड संख्या 317/26 दर्ज कर पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

ट्रक की टक्कर से एक की मौत, कई घायल

बीएनएम @ कुढ़नी। मुजफ्फरपुर-हाजीपुर मुख्य मार्ग एनएच-22 पर कुढ़नी और तुर्की थाना क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। पहली घटना कुढ़नी थाना क्षेत्र के चंद्रहट्टी चौक से दक्षिण की है, जहां डीजल लदे ट्रक ने एक घर में टक्कर मार दी। हादसे में घर के पास मौजूद 45 वर्षीय बुल्ला महतो की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर से दरवाजे पर खड़ी पिकअप वैन और मकान का कुछ हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों ने ट्रक चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के विरोध में ग्रामीणों ने शव के साथ मुख्य मार्ग को कुछ देर जाम कर मुआवजे की मांग की। इससे सड़क के एक लेन में करीब तीन किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। दूसरी घटना तुर्की थाना क्षेत्र के सकरी चौक के समीप हुई, जहां तिरहुत अस्पताल के फार्मेसी विभाग में कार्यरत 28 वर्षीय नावेद अली की बाइक को पेट्रोल पंप के पास अचानक नीलगाय ने टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गए। नावेद अली पूर्व उपप्रमुख मो. अली रेजा के पुत्र हैं। तीसरी घटना सकरी चौक पर हुई, जहां बाइक से गिरकर दो युवक घायल हो गए। वहीं, चौथी घटना लुक्की नंदलालपुर-परमानंदपुर मार्ग पर हुई, जहां अज्ञात वाहन की टक्कर से दो बाइक सवार घायल हो गए। डायल 112 की पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

खेत में मिला अज्ञात महिला का जला हुआ शव

बीएनएम @ बेतिया। लौरिया थाना क्षेत्र की कटैया पंचायत के वार्ड संख्या-6 स्थित फुलवरिया गांव के सरेह में सोमवार को एक अज्ञात महिला का अर्धनग्न और जला हुआ शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने खेत के बांध पर शव पड़ा देखा, जिसके बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। शव की स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या के बाद पहचान छिपाने के उद्देश्य से उसे जलाया गया हो। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलते ही लौरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। फिलहाल मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस महिला की पहचान स्थापित करने के साथ यह पता लगाने में जुटी है कि उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई और शव खेत तक कैसे पहुंचा। घटना से आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है।

खगड़िया गौशाला का 138वां वार्षिकोत्सव

बीएनएम @ खगड़िया। श्री गौशाला समिति, खगड़िया के 138वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर गौशाला परिसर में 17 नवंबर से गोपाष्टमी मेला-2026 का आयोजन होगा। मेले का उद्घाटन मंगलवार को शाम चार बजे जिला पदाधिकारी विक्रम विरकर एवं पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह संयुक्त रूप से करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उप विकास आयुक्त श्रेयसी एवं अपर समाहर्ता पुष्पेश कुमार उपस्थित रहेंगे। समिति के सचिव प्रदीप कुमार दहलान ने बताया कि वार्षिकोत्सव के अवसर पर गोपाष्टमी मेले का आयोजन किया जा रहा है। अनुमंडल पदाधिकारी सह संरक्षक अध्यक्ष धनंजय कुमार ने लोगों से कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है। गोपाष्टमी का पर्व गौ माता की पूजा, सेवा और संरक्षण के प्रति समर्पण का प्रतीक है। समिति की ओर से जिलेवासियों से उद्घाटन समारोह में शामिल होने की अपील की गई है।

पीएम के कार्यक्रम का चिराग ने लिया जायजा

बीएनएम @ हाजीपुर। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने हाजीपुर में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर चल रहे कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने जिलाधिकारी वर्षा सिंह और पुलिस अधीक्षक के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, मंच, पंडाल, पार्किंग और आम लोगों की सुविधाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। चिराग पासवान ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से जुड़ी सभी तैयारियां निर्धारित समय पर पूरी की जाएं तथा व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रहे।

दरवाजे पर खड़ी बाइक चोरी, थाने में आवेदन

बीएनएम @ साहेबगंज। थाना क्षेत्र के हुसेपुर नया टोला गांव में अज्ञात चोरों ने घर के दरवाजे पर खड़ी टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल चोरी कर ली। घटना 14 नवंबर की देर रात की बताई जा रही है। इस संबंध में बाइक मालिक विनोद कुमार सहनी ने साहेबगंज थाने में लिखित आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित ने बताया कि 14 नवंबर की रात उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल घर के दरवाजे पर खड़ी की थी और सोने चले गए थे। अगले दिन सुबह उठने पर बाइक गायब मिली। इसके बाद उन्होंने पुलिस को आवेदन देकर मोटरसाइकिल बरामद करने और चोरों के विरुद्ध कार्रवाई की गुहार लगाई है।

छपरा विधायक छोटी कुमारी ने छठ व्रतियों के चरण धोकर लिया आशीर्वाद

बीएनएम @ सारण। लोक आस्था, अटूट श्रद्धा और सूर्य उपासना के महापर्व छठ के पावन अवसर पर छपरा विधायक छोटी कुमारी ने विभिन्न छठ घाटों का सघन भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने सोनारपट्टी घाट, सीढ़ी घाट और कठिया बाबा मंदिर के समीप पहुंचकर व्रतधारियों से मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। विधायक छोटी कुमारी ने अपनी श्रद्धा और सम्मान प्रकट करते हुए छठ व्रतियों के चरण धोए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विधायक छोटी कुमारी ने कहा कि छठ महापर्व हमारी सनातन संस्कृति, पवित्रता और अटूट विश्वास का अनुपम प्रतीक है। यह महान पर्व हमें त्याग, तपस्या, कठोर अनुशासन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि यह पर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध लोक संस्कृति और सामाजिक एकजुटता का जीवंत उदाहरण है। कठिन तपस्या और पूर्ण निष्ठा के साथ व्रत करने वाली माताओं-बहनों की यह भक्ति हम सभी के लिए एक महान प्रेरणास्रोत है। उन्होंने छठी मईया के चरणों में प्रार्थना करते हुए कहा कि छपरा क्षेत्र के हर घर में सुख, शांति, समृद्धि, खुशहाली और आरोग्यता का सदैव वास हो। क्षेत्र विकास की नई ऊंचाइयों को छुए तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारा निरंतर मजबूत बना रहे।

एक करोड़ की ब्राउन शुगर के साथ बंगाल के दो अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ किशनगंज। जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एएनटीएफ किशनगंज को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने पहाड़कट्टा थाना क्षेत्र के पनासी हाट के समीप छापेमारी कर 513 ग्राम ब्राउन शुगर (स्मैक जैसा मादक पदार्थ) के साथ दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थ का अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य करीब एक करोड़ रुपये आंका गया है।

कबड्डी प्रतियोगिता के लिए बीएनएमयू की टीम रवाना

बीएनएम @ सहरसा



अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय (बीएनएमयू), मधेपुरा की 12 सदस्यीय टीम उत्तर प्रदेश के जौनपुर के लिए रवाना हो गई। सहरसा रेलवे स्टेशन पर क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक परिषद के सहायक निदेशक ने हरी झंडी दिखाकर खिलाड़ियों को रवाना किया। प्रतियोगिता का आयोजन 18 से 21 नवंबर तक वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में होगा। टीम का चयन सितंबर में यूभीके कॉलेज, कड़ामा में आयोजित अंतर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। इसमें विश्वविद्यालय के 21 महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया था। क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक परिषद के निदेशक डॉ. अबुल फजल ने बताया कि विश्वविद्यालय में खेल गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है और खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। टीम के मैनेजर डॉ. रामनरेश राय, कोच सुगंध कुमार और सहायक कोच अभिषेक आचार्य नियुक्त किए गए हैं। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन करने की उम्मीद जताई है।

स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता लोकतंत्र का आधार : अनिल कुमार सिंह

बीएनएम @ मोतिहारी



जदयू के प्रदेश नेता अनिल कुमार सिंह ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर पत्रकारों एवं मीडिया जगत से जुड़े लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूत आधारशिला है। प्रेस को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज की समस्याओं, आम जनता की आवाज और सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पत्रकारिता केवल समाचारों के प्रकाशन और प्रसारण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को जागरूक करने, जनहित के मुद्दों को सामने लाने और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने का दायित्व भी निभाती है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव के बीच सही एवं प्रमाणिक खबरों का प्रसारण बेहद जरूरी है। पत्रकारों को तथ्यों की जांच के बाद ही समाचार प्रकाशित करना चाहिए, ताकि समाज में भ्रम और अफवाहों की स्थिति उत्पन्न न हो। पत्रकारिता में निष्पक्षता, पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा और जनहित सर्वोपरि होना चाहिए। राष्ट्रीय प्रेस दिवस स्वतंत्र एवं जिम्मेदार पत्रकारिता के महत्व को समझने और पत्रकारों के योगदान का सम्मान करने का अवसर है।

स्कॉर्पियो–बाइक की टक्कर में दो युवकों की मौत, सात घायल

बीएनएम @ बेतिया





मझौलिया थाना क्षेत्र के लालसरैया चौक पर बेतिया-मोतिहारी मुख्य मार्ग स्थित एनएच-727 पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और बाइक की टक्कर में सात लोग घायल हो गए। इनमें गंभीर रूप से घायल दो युवकों की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को संभालते हुए पुलिस को सूचना दी। घायलों की पहचान लालसरैया पंचायत के वार्ड संख्या-8 निवासी अशोक चौधरी, ललिता चौधरी, आराध्या चौधरी, अनन्या चौधरी, विनोद चंद्रशील, मोहम्मद ओसामा और सोनू आलम के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर मझौलिया थानाध्यक्ष अमर कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए जीएमसीएच, बेतिया पहुंचाया, जहां गंभीर रूप से घायल दो युवकों ने दम तोड़ दिया। दोनों मृतक बेतिया के दुआर देवी चौक के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो और बाइक को कब्जे में लेकर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। घटना से मृतकों के परिजनों में मातम पसरा है।

डोमा घाट की गंगा आरती बनी आकर्षण का केंद्र

बीएनएम @ केसरिया



लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और भक्तिभाव के बीच संपन्न हो गया। इस दौरान प्रखंड से लेकर नगर क्षेत्र तक के विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। छठी मैया के पारंपरिक गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। नगर के डोमा घाट पर बनारस से आए पंडितों द्वारा प्रस्तुत गंगा आरती श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही। रविवार की संध्या और सोमवार की सुबह आयोजित भव्य आरती ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। डोमा घाट और रामजानकी मठ घाट सहित कई घाटों पर भगवान भास्कर की आकर्षक प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। व्रतियों ने अर्घ्य अर्पित करने के बाद प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना की। वहीं, हुसैन बगीचा टोला, खिजिरपुरा, पश्चिमी सुंदरापुर और बीजधरी सहित कई गांवों में आकर्षक पंडाल बनाए गए थे। विभिन्न घाटों पर भगवान भास्कर की कथा का भी आयोजन हुआ। महापर्व को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। अपर थानाध्यक्ष राजकुमार राजू के नेतृत्व में विभिन्न घाटों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। इस अवसर पर नगर मुख्य पार्षद किरण देवी, उप मुख्य पार्षद खुशबू देवी सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विकास की नई लाइन या हादसे को न्योता? जर्जर खंभों पर दौड़ रही 33 हजार वोल्ट की बिजली

» 33 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन में जगह-जगह स्पार्किंग से दहशत, सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर उठे सवाल; नए पोल लगाने का विभाग द्वारा आश्वासन

बीएनएम @ घोड़ासहन



क्षेत्र में लोगों को बेहतर बिजली सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बिछाई गई 33 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन अब स्थानीय लोगों के लिए खतरे का कारण बनती जा रही है। नई लाइन के तारों में जगह-जगह स्पार्किंग होने से लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों को आशंका है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इस पूरे मामले में सबसे गंभीर सवाल हाईटेंशन लाइन में इस्तेमाल किए जा रहे बिजली के खंभों को लेकर उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, 33 हजार वोल्ट की लाइन बिछाने के दौरान कई स्थानों पर मजबूत लोहे के पोल लगाए गए हैं, लेकिन घोड़ासहन के शहरी एवं ग्रामीण रिहायशी इलाकों में नए पोल लगाने के बजाय पहले से लगे पुराने और जर्जर सीमेंटेड खंभों पर ही हाईटेंशन तार लगा दिए गए हैं। घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पुराने खंभों के सहारे 33 हजार वोल्ट की लाइन गुजारने से इसकी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं, तारों में लगातार स्पार्किंग और खंभों की जर्जर स्थिति के बावजूद लाइन से बिजली आपूर्ति शुरू किए जाने की बात सामने आने के बाद लोगों की चिंता और बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईटेंशन लाइन जैसे संवेदनशील विद्युत कार्य में सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। यदि निर्माण के दौरान गुणवत्ता और सुरक्षा नियमों की अनदेखी हुई है तो यह आम लोगों की जान-माल के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। इधर, बिजली विभाग के एसडीओ आलोक कुमार सिंह ने बॉर्डर न्यूज मिरर से बातचीत में बताया कि फिलहाल इस लाइन पर ट्रायल बेसिस पर बिजली आपूर्ति की गई थी, जिसे अभी बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां गड़बड़ी सामने आई है, वहां उसे ठीक कराया जाएगा तथा आवश्यकता के अनुसार नए पोल भी लगाए जाएंगे। हालांकि, विभाग के इस आश्वासन के बाद भी कई सवाल बरकरार हैं। आखिर रिहायशी इलाकों में नए और मजबूत पोल लगाने के बजाय पुराने खंभों का इस्तेमाल क्यों किया गया? क्या लाइन चालू करने से पहले उसकी तकनीकी और सुरक्षा जांच की गई थी? यदि स्पार्किंग और पोल की स्थिति में खामियां थीं तो ट्रायल के दौरान ही उन्हें दूर क्यों नहीं किया गया? फिलहाल स्थानीय लोगों की मांग है कि बिजली विभाग तत्काल पूरे मामले की तकनीकी जांच कराए, स्पार्किंग की समस्या को दूर करे तथा जहां भी पुराने और जर्जर खंभे लगे हैं, वहां मानक के अनुरूप नए एवं मजबूत पोल लगाए जाएं। लोगों का कहना है कि बिजली सुविधा के विस्तार के साथ आम नागरिकों की सुरक्षा से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं होना चाहिए।

एसएसबी ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल



बीएनएम @ बगहा

21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), बगहा ने छठ महापर्व के अवसर पर चिकित्सा सेवा और तत्परता की मिसाल पेश की। कमांडेंट तपेश्वर संबित राउत के निर्देशन में आयोजित विशेष छठ घाट पर मेडिकल कैंप के दौरान करीब छह बजे 65 वर्षीय इंदु देवी अचानक बेहोश हो गईं। मेडिकल टीम ने तत्काल प्राथमिक उपचार देकर उन्हें एंबुलेंस से अनुमंडलीय अस्पताल (एसडीएच), बगहा पहुंचाया, जहां उन्हें भर्ती कराया गया। इसी दौरान अस्पताल से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर तीन मोटरसाइकिलों की आपस में टक्कर हो गई, जिसमें छह लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही एंबुलेंस में मौजूद मेडिकल स्टाफ घटनास्थल पर पहुंचा और सभी घायलों को प्राथमिक उपचार देकर अस्पताल पहुंचाया। एसएसबी की ओर से कुल सात लोगों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। छठ घाट पर मौजूद श्रद्धालुओं ने वाहिनी की त्वरित एवं मानवीय पहल की सराहना की।

नगर सभापति ने छठ घाटों पर की पूजा-अर्चना



बीएनएम @ खगड़िया

लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर नगर परिषद खगड़िया की सभापति अर्चना कुमारी ने विभिन्न छठ घाटों का दौरा कर पूजा-अर्चना की और छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने भगवान भास्कर और छठी मईया से नगरवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं और लोगों के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं। गौरतलब है कि छठ की तैयारियों को लेकर नगर सभापति पिछले कई दिनों से सक्रिय थीं। उन्होंने नगर परिषद क्षेत्र के सभी 45 छठ घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया था। नगर परिषद की ओर से घाटों पर रोशनी, पंडाल, चेंजिंग रूम, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरे, प्रवेश द्वार और पेयजल की व्यवस्था की गई थी। इसके अलावा घाटों और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई के साथ चूना एवं ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराया गया। नगर सभापति ने कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक है। नगर परिषद का प्रयास रहा कि सभी 45 घाटों पर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलें और वे शांतिपूर्ण वातावरण में पूजा-अर्चना कर सकें।

कुमारखंड में शांतिपूर्ण संपन्न हुआ छठ महापर्व

बीएनएम @ कुमारखंड



मधेपुरा जिले के कुमारखंड प्रखंड क्षेत्र में चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ रविवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। प्रखंड की सभी 21 पंचायतों में नदी, तालाब और घरों के समीप बनाए गए अस्थायी जलाशयों में छठव्रतियों ने भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। भतनी, रोता, बिशनपुर, टिकुलिया संगम, प्रखंड कार्यालय परिसर, यदुआपट्टी और रानीपट्टी सहित विभिन्न घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। घाटों को केले के पौधों, आकर्षक पंडालों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया था। अहले सुबह तीन बजे से ही छठव्रती और उनके परिजन पूजा सामग्री लेकर घाटों पर पहुंचने लगे। सूर्य की पहली किरण दिखाई देते ही व्रतियों ने अर्घ्य अर्पित कर 36 घंटे का निर्जला व्रत संपन्न किया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राजस्व अधिकारी वीरेंद्र विपरोहित ने विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। कुमारखंड थानाध्यक्ष रंजन कुमार, श्रीनगर थानाध्यक्ष कृष्णा कुमार, बेलारी थानाध्यक्ष स्नेहा सिंह और भतनी थानाध्यक्ष राजीव भी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी में जुटे रहे। सभी चिन्हित घाटों पर मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती की गई थी। श्रद्धा और उत्साह के बीच क्षेत्र में छठ महापर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

उनका अपना पक्ष है

इस किताब के जरिए ऐसे व्यक्ति का पक्ष सामने आया है, जो ऐतिहासिक संयोग के कारण भारतीय राजनीति का एक केंद्र बन गईं। और जो उस परिवार से संबंधित रहीं, जिसकी दशकों तक अहम भूमिका रही है। सोनिया गांधी की आत्मकथा व्यक्तिगत या पारिवारिक दायरे से आगे जाते हुए उन कई प्रकरणों को भी छूती है, जो पिछले लगभग छह दशक में विवादित एवं बहुचर्चित रहे हैं। ऐसे में इस किताब पर दूसरे हलकों से प्रतिक्रिया आना या वैकल्पिक कथा पेश किया जाना स्वाभाविक ही है। अतः कुछ मामलों को लेकर राजनीतिक पारा चढ़ा है, तो उसे आम राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा मान कर नजरअंदाज कर दिया जाना चाहिए। इसलिए कि इस किताब का महत्त्व कहीं और है। इसके जरिए एक ऐसे व्यक्ति का पक्ष सामने आया है, जो ऐतिहासिक संयोग के कारण निजी दायरे से निकल कर भारतीय राजनीति का एक केंद्र बन गईं। उस व्यक्ति का, जो उस परिवार से संबंधित रहीं, जिसका दशकों तक इस देश का सियासी रूप ढालने में निर्णायक योगदान रहा है। भारत में इस हैसियत में रहे व्यक्तियों के बारे में तो सैकड़ों किताबें लिखी गई हैं, लेकिन तत्कालीन घटनाओं पर अक्सर उनका अपना पक्ष सामने नहीं आया। जवाहरलाल नेहरू की आत्मकथा 1936 में प्रकाशित हुई, तब देश की बागडोर उनके हाथ में नहीं थी। नतीजतन, आजादी के बाद आरंभिक वर्षों में जो कुछ हुआ, उस पर लिखी गईं अनगिनत किताबों से जानकारियां तो खूब उपलब्ध हैं, लेकिन उन अहम घटनाओं के बारे में नेहरू का अपना पक्ष हमें मालूम नहीं है। यही बात महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अन्य प्रधानमंत्रियों पर भी लागू होती है। इंदर कुमार गुजराल ने जरूर आत्मकथा लिखी, लेकिन उनका कार्यकाल इतिहास में महज एक क्षेपक की तरह दर्ज है। पी.वी. नरसिंह राव ने अपनी कहानी उपन्यास की शक्ल में लिखी, इसलिए यह तय करना कठिन बना रहा है कि उसमें कितना तथ्य और कितनी किस्सागोई है। इस पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए सोनिया गांधी का अपना, और प्रकारांतर में गांधी परिवार का पक्ष रखना महत्त्वपूर्ण दस्तावेज बन जाता है। इससे मालूम हुआ है कि गुजरे छह दशकों की घटनाओं को इस परिवार के अंदर कैसे देखा गया। बेशक, उसे देखने के बहुतेरे दूसरे स्रोत और नजरिए भी उपलब्ध हैं। मगर इतिहास सभी पक्षों के दृष्टिकोण को शामिल करते हुए ही वस्तुगत रूप ग्रहण करता है।

भगवान बिरसा के बहाने जनजातियों के संघर्ष की याद

प्रो.संजय द्विवेदी

समाज की स्मृति बहुत अल्प है। अपने नायकों और उनके कामों को भूल जाना यहां बहुत आसान है। ऐसे ही नायक हैं-भगवान बिरसा मुंडा। जिन्हें हमने लगभग भुला सा दिया था। कुछ अरसे पहले झारखंड के इस अप्रतिम नायक की राष्ट्रीय स्तर पर शायद ही कोई स्मृति बनती हो। किंतु नए समय में जब भारत अपने सांस्कृतिक नायकों को खोजकर उनके बारे में पढ़ रहा है, तब उसमें बिरसा की याद बहुत स्वाभाविक और मार्मिक हो उठती है। इसी बीच भारत सरकार ने वर्ष 2021 में यह निर्णय लिया कि प्रत्येक वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। जाहिर है इसका उद्देश्य हमारे जनजातीय नायकों और जनजातीय समाज की समृद्ध कला, संस्कृति, बोलियों और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर रेखांकित करना तथा उनके त्याग-बलिदान को समाज के सामने लाना रहा।

धरती आबा को मत भूलिए: भगवान बिरसा मुंडा झारखंड के खूंटी जिले के एक गांव में जन्में। उनका बचपन प्रकृति की गोद में बीता। माटी से प्यार और प्रकृति का संरक्षण का पाठ उन्होंने अपनी संस्कृति से सीखा और जीवन में भी उतारा। अंग्रेजी राज में जनजातीय समाज की दुर्दशा, उनके दमन और स्थानीय साहूकारों द्वारा अपने समाज का शोषण देखकर उनकी आत्मा कांप उठी। अंग्रेजी राज की दमनकारी नीतियां उनके निशाने पर थीं। जनजातीय समाज की स्वायत्तता बची और बनी रहे इसी भाव से उनके मन में क्रांतिकारी विचार आए। इससे ही उलगुलान (महाविद्रोह) की भावभूमि बनी। 1899-1900 के दौरान भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व में अंग्रेजी सरकार की दमनकारी नीतियों के विरोध में महान सशस्त्र विद्रोह हुआ, इसे ही इतिहास में उलगुलान के नाम से जाना गया। यह सिर्फ राजनीतिक विद्रोह नहीं था वरन जल,जंगल, जमीन पर जनजातियों के पारंपरिक अधिकारों की रक्षा के लिए शंखनाद भी था। इस आंदोलन ने सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, एकता और सांस्कृतिक स्वायत्तता का भी आधार तैयार किया। अपने इन्हीं सार्थक प्रयासों के नाते भगवान बिरसा को धरती आबा (यानी धरती पिता) कहा गया। लोकमन में उनकी स्मृति इतनी सघन है कि वे तमाम युवाओं के आदर्श बन गए। संघर्ष के प्रतीक और अप्रतिम नायक तो बने ही। उलगुलान, निस्संदेह, एक विद्रोह से कहीं बढ़कर था। यह लड़ाई न्याय और सांस्कृतिक पहचान दोनों के लिए थी। भगवान बिरसा मुंडा की सूझबूझ ने एक ओर जनजातीय लोगों द्वारा बिना किसी हस्तक्षेप के अपनी ज़मीन पर स्वामित्व और खेती करने के अधिकार को, तो दूसरी तरफ जनजातीय रीति-रिवाज़ों और सामाजिक मूल्यों के महत्व को एक साथ जोड़ दिया। महात्मा गांधी की तरह, उनका संघर्ष भी न्याय और सत्य की खोज से प्रेरित था। बचे जल, जंगल और जमीनः जनजातीय समाज की मूल चेतना प्रकृतिजीवी है। प्रकृति का संरक्षण



और प्रकृति से संवाद इस समाज की पहचान है। भारतीय चित्त के प्रकृति प्रेम को जनजातीय समाज ने अपने जीवन में उतारा है। अपने समाज के उत्थान, विकास, अधिकारों की रक्षा, उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए सिर्फ मुंडा समाज में ही नहीं बल्कि समूचे जनजातीय समाज में वे आदर प्राप्त कर सके।

इस तरह वे जननायक ही नहीं बल्कि जीवन को बदलने वाले अवतार की तरह सामने आए। वे क्रांतिकारी हैं, समाज सुधारक हैं, प्रकृतिप्रेमी हैं,विद्रोही हैं। हर अवतार में पूर्ण। भगवान बिरसा की सोच साफ थी कि प्रकृति और वन संपदा पर जनजातीय समाज का पहला और अंतिम अधिकार है। अंग्रेजों द्वारा लाए गए वन कानूनों के माध्यम से जनजातियों को उनके ही मूल स्थान से बेदखल करने का उन्होंने ताजिंदगी विरोध किया। भगवान बिरसा के नेतृत्व में चले आंदोलनों का ही परिणाम था कि अंग्रेजी सरकार झुकी। इसके बाद उनकी शहादत रंग लाई और सरकार को छोटा नागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी एक्ट,1908) लाना पड़ा। जिससे जनजातियों के अधिकार संरक्षित हुए। जनजातियों की जमीन का अवैध हस्तांतरण को रोकने के लिए यह कानून प्रभावी साबित हुए। यह कानून जनजातियों का सुरक्षा कवच बना। भगवान बिरसा एक चिकित्सक भी थे। उनके इस गुण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लिखा है- "बीमारों की सेवा करना उनके लिए मिशन था। उन्हें एक उपचारकर्ता का प्रशिक्षण मिला था, और अद्भुत घटनाओं की एक श्रृंखला ने लोगों में यह विश्वास पैदा किया कि ईश्वर ने उन्हें एक महान उपचारक का विशेष स्पर्श दिया है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे किसी भी बीमार व्यक्ति को उनके पास लाएं, और कहा, "यदि यह संभव नहीं है तो मैं खुद बीमारों से मिलने आऊंगा।" वे गांव-गांव बीमारों से मिलने जाते थे, और अपने कौशल और अपने उपचार करने वाले स्पर्श से असंख्य लोगों को स्वस्थ कर देते थे।" जनजातीय नायकों का अप्रतिम योगदानः भगवान बिरसा मुंडा के अलावा अन्य जनजातीय नायकों को भी हम इस दिन याद करते हुए उनकी पावन स्मृति से संबल प्राप्त करते हैं। इनमें तिलका मांझी, सिद्धू और कान्हू मूर्मू, वीर बद्धु भगत, टंट्या भील मामा, अल्लूरी सीताराम राजू, रानी गाडगिन्यू और वीरनारायण सिंह जैसे महान सेनानी शामिल हैं। इन सबने अपने देश और धर्म की रक्षा करते हुए अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी। जनजातीय नायकों की स्मृति संरक्षण के लिए अब देश भर में प्रयास हो रहे हैं। सरकारों द्वारा विभिन्न राज्यों में जनजातीय संग्रहालयों का निर्माण किया है। इन संग्रहालयों में जनजातीय संस्कृति, कलाकृतियों और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान की गाथाओं को सहेज कर रखा गया है। मध्यप्रदेश सरकार के प्रयास भी इस दिशा में काफी सराहनीय हैं। जहां जनजातीय समाज को केंद्र में रखकर अनेक प्रयास हो रहे हैं। भारत सरकार कई राज्यों में जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय स्थापित करने के साथ आदिवाणी और आदिसंस्कृति जैसे डिजिटल माध्यमों से जनजातीय बोलियों, कलाओं के सहेजने और संरक्षित करने का प्रयास भी कर रही है।

सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण जरुरीः जनजातीय गौरव दिवस मनाते समय हमें देखना है कि क्या हममें जनजातीय समाज के प्रति अपेक्षित संवेदना बची हुई है। भारत की सांस्कृतिक विविधता और प्रकृति के अनुकूल जीवन शैली का पाठ पढ़ाने वाला जनजातीय समाज हमारा गौरव है। हमें उनसे जीवन मूल्य सीखने की जरुरत है। उनकी पारंपरिक कलाओं, प्रदर्शन कलाओं, नृत्य, संगीत, हस्तशिल्प सब कुछ बहुत समृद्ध है। इन चर्चाओं के बीच आज भी जनजातीय समाज की चिंताएं कम नहीं हुई हैं। जनजातीय समाज के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कुपोषण तथा स्वास्थ्य संबंधी कई चिंताएं आज भी बनी हुई हैं। फिर उनके विकास योजनाओं के कारण हो रहे उनके विस्थापन की पीड़ा तो है ही। इसलिए विस्थापन को रोकने, ग्राम सभाओं को मजबूत बनाने के साथ पांचवीं और छठीं अनूसूची के अनुसार मिलने वाले संवैधानिक अधिकारों को प्रदान करने के मुद्दे तो सामने हैं ही। जनजातीय गौरव दिवस की सार्थकता तभी है जब हम जनजातियों के जीवन से जुड़े सवालों को हल कर सकें। यह भी गौरव की विषय है इस समय देश के राष्ट्रपति पद पर जनजातीय समाज की महिला विराजमान हैं। यह देश की महिलाओं और जनजातीय समाज दोनों के लिए प्रेरणा का विषय है। ऐसे सुंदर समय में जनजातीय मुद्दों और नायकों की याद करते हुए प्रकृति प्रेमी समाज बनाने की प्रेरणा लें। यही भाव एक सुंदर दुनिया के सपने को साकार करेगा।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

नरक से मुक्ति और अकाल मृत्यु से रक्षा का पर्व है नरक चतुर्दशी

रजनीश कपूर

पराली समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। साथ ही, दिल्ली-एनसीआर का साल भर का प्रदूषण मुख्य रूप से स्थानीय स्रोतों, यानी वाहन उत्सर्जन, सड़क व निर्माण धूल और औद्योगिक गतिविधियों आदि से आता है। मौसमी पराली और दीवाली के पटाखे उस पर अतिरिक्त बोझ डालते हैं।

दीपावली के अगले दिन दिल्ली रक्तढ़ बड़े खतरनाक स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन 11 नवंबर को दिल्ली की औसत वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार दिखा। सुबह सात बजे रक्तढ़ लगभग 299 पर पहुंचा, जो 'खराबÓ श्रेणी में आता है। कुछ दिनों पहले यह आंकड़ा 'बहुत खराब और गंभीरÓ श्रेणी में था। मजबूत हवाओं ने कुछ प्रदूषकों को बिखेर दिया, लेकिन यह राहत नाजुक है। चांदनी चौक, आईआईटी दिल्ली, डीटीयू, नॉर्थ कैंपस और छावला जैसे कई स्टेशनों पर रक्तढ़ अभी भी 370-396 के आसपास है। एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम के अनुसार अगले कुछ दिन भी स्थिति 'बहुत खराबÓ बनी रहने की संभावना है।

यह सुधार दीवाली के बाद आया है। 8 नवंबर को दीवाली के दिन दिल्ली का औसत रक्तढ़ 376 दर्ज हुआ, जो पिछले पांच वर्षों में त्योहार वाले दिन का सबसे ऊंचा आंकड़ा था। पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद कई जगहों पर उनका इस्तेमाल हुआ। साथ ही मौसमी परिस्थितियां प्रतिकूल रहीं। त्रक्रक्क का स्टेज-3 छह नवंबर को एहतियाती कदम के रूप में लागू किया गया था, जब रक्तढ़ 382 पर पहुंच गया। स्टेज-1 (21 अक्टूबर से) और स्टेज-2 (2 नवंबर से) पहले से लागू थे। निर्माण गतिविधियों पर सख्ती, पुराने वाहनों पर प्रतिबंध, स्कूलों में हाइब्रिड मोड और कार्यालयों में वर्क फ्रॉम होम जैसे कदम जारी हैं। पानी छिड़काव मशीनें भी तैनात की गई हैं।

हरियाणा में पराली जलाने के मामले लंबे समय से कम हो रहे हैं। इस सीजन में भी संख्या अपेक्षाकृत नियंत्रित रही है। पंजाब में हालांकि पिछले वर्षों की तुलना में कुल संख्या काफी घटी है (2020 के मुकाबले 90 प्रतिशत से अधिक कमी), लेकिन इस साल पिछले वर्ष की तुलना में कुछ अधिक मामले सामने आए हैं। दीवाली की रात पंजाब में सैटेलाइट से एक हजार से अधिक आग के मामले दर्ज हुए, जो पूरे सीजन का उच्चतम एक दिन का आंकड़ा था। कुछ रिपोर्टों में शाम के समय जलाने की प्रवृत्ति और सैटेलाइट डिटेक्शन की सीमाओं का जिक्र है। नासा से जुड़े एक वैज्ञानिक ने आधिकारिक आंकड़ों से कहीं अधिक वास्तविक आग का अनुमान लगाया है। इस बात से यह स्पष्ट होता है कि पराली समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। मशीन वितरण, बायोगैस प्लांट और पराली बेचने के बाजार ने हरियाणा में मदद की है, लेकिन पंजाब में समय पर खेत खाली करने का दबाव अभी भी बना हुआ है। साथ ही, दिल्ली-एनसीआर का साल भर का प्रदूषण मुख्य रूप से स्थानीय स्रोतों, यानी वाहन उत्सर्जन, सड़क व निर्माण धूल और औद्योगिक गतिविधियों आदि से आता है। मौसमी पराली और दीवाली के पटाखे उस पर अतिरिक्त बोझ डालते हैं।

ऐसे में त्रक्रक्क के विभिन्न चरण लागू होने के बावजूद प्रदूषण का स्तर दीवाली के आसपास चढ़ा और अब हवा के सहारे थोड़ा उतरा। पिछले वर्षों का अनुभव यही बताता है कि जब रक्तढ़ पहले से बहुत खराब हो जाता है, तब सख्त प्रतिबंध लगाने का मतलब है कि पहले की तैयारी अधूरी रही। वाहन जांचें और निर्माण प्रतिबंध, ट्रैफिक व आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित करते हैं, लेकिन उनका दीर्घकालिक प्रभाव सीमित रहता है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि हर साल इन दिनों में प्रदूषण के इस चक्र से निकलने के लिए संरचनात्मक कदम जरूरी हैं। सार्वजनिक परिवहन और वाहन संक्रमणः मेट्रो, आरआरटीएस और इलेक्ट्रिक बसों की आवृत्ति व अंतिम मील कनेक्टिविटी को और मजबूत करना। गैर-बीएस-6 वाहनों के चरणबद्ध निष्कासन के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बुनियादी ढांचा और प्रोत्साहन बढ़ाना। पार्किंग नीति को पूरे एनसीआर में एकीकृत और प्रभावी बनाना। धूल नियंत्रण साल भर चलेः निर्माण स्थलों पर एंटी-स्मॉग गन, कवरिंग और नियमित निरीक्षण अनिवार्य किए जाएँ। सड़कों की यांत्रिक सफाई को केवल सर्दियों तक सीमित न रखकर पूरे वर्ष चलाया जाए। पराली का आर्थिक समाधान खोजा जाएः यदि हरियाणा में पराली के आंकड़े घटे हैं तो इस मॉडल को पंजाब में और मजबूत करना होगा। सुपर सीडर जैसी मशीनों की उपलब्धता, पराली आधारित उद्योगों और बायोगैस प्लांटों का विस्तार, तथा किसानों को समय पर विकल्प देना। शाम के समय जलाने की निगरानी के लिए बेहतर तकनीक और जमीन स्तर पर प्रवर्तन को युद्ध स्तर पर बढ़ाना होगा। स्रोत-आधारित पारदर्शी निगरानीः वास्तविक समय में वाहन, धूल, उद्योग और कृषि अवशेष का योगदान खुले डेटा के रूप में उपलब्ध हो। इससे नीतिगत प्राथमिकताएं स्पष्ट होंगी। क्षेत्रीय समन्वयः दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के बीच संयुक्त लक्ष्य और जवाबदेही के नियम बनें। ष्ट्रक्तरू के आदेशों का वास्तविक क्रियान्वयन और स्वतंत्र निगरानी हो। त्योहारों की पहले से योजना बनेः पटाखों के विकल्पों को बढ़ावा दिया जाए, स्वास्थ्य सलाह और स्कूल-अस्पतालों में तैयारी की जाए। दीवाली से पहले ही सख्त क्रियान्वयन और जागरूकता की आवश्यकता है।

गौरतलब है कि त्रेतायुग में जब भगवान श्री राम लंका विजय के बाद अयोध्या लौटे, तो प्रजा ने उनका स्वागत मिट्टी के दीयों (दीपमालिका) से किया था। प्राचीन काल में दिवाली मुख्य रूप से दीपों, स्वच्छता, पूजा और मिठाइयों का त्योहार थी। वैसे भी आतिशबाजी का मूल अर्थ 'आग का खेलÓ है। यह फारसी भाषा के दो शब्दों 'आतशÓ (आग) और 'बाज़ीÓ (खेल) से मिलकर बना है। दिल्ली-एनसीआर के करोड़ों लोग हर सर्दी स्वास्थ्य जोखिम में जीते हैं। ऐसे में बच्चे, बुजुर्ग और सांस के मरीज सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। हरियाणा में पराली में कमी और हवाओं से मिली अस्थायी राहत सकारात्मक संकेत हैं, लेकिन ये स्थायी समाधान नहीं। त्रक्रक्क जैसे आपातकालीन कदम जरूरी हैं, पर वे रोकथाम की जगह नहीं ले सकते। अब प्रतिक्रिया से आगे बढ़कर साल भर के उत्सर्जन नियंत्रण, बुनियादी ढांचे के निवेश और किसानों के लिए व्यवहार्य विकल्पों पर ध्यान देना होगा। केवल आदेश जारी करने से हवा साफ नहीं होती, निरंतर और पारदर्शी क्रियान्वयन से होती है।

पहाड़ों में मुनाफ़े की उड़ान और सुरक्षा रामभरोसे!

रजनीश कपूर

2015 से 2025 के बीच चारधाम सेक्टर में आठ दुर्घटनाएं और एक गंभीर घटना हुई, जिनमें से पांच घातक थीं। इनमें से अधिकांश का कारण मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन न करना, खराब मौसम में निर्णय लेना और ऊंचाई संबंधी चुनौतियां थीं। 2025 में ही कई हादसे हुए, जिनमें गौरीकुंड और उत्तराकाशी के क्रैश प्रमुख हैं। उत्तराखंड के चमोली जिले में 30 अक्टूबर 2026 को बद्रीनाथ से देहरादून के सहस्त्रधारा हेलीपैड के लिए उड़ान भरने वाला ट्रांस भारत एविएशन का हेलीकॉप्टर ङ्कञ्ज-ाष्टङ्म जोशीमठ के पास चाई गांव-हाथी पर्वत क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें दिल्ली के रहने वाले पायलट कैप्टन हिमांशु सभरवाल समेत पांच कर्नाटक के यात्रियों की मौत हो गई, जिनमें बेंगलुरु पुलिस के इंस्पेक्टर अरुण सालुंके भी शामिल थे। ऑरेंज अलर्ट और खराब मौसम के बीच उड़ान भरने वाला यह विमान संपर्क टूटने के तुरंत बाद पहाड़ी से टकराया। यह हादसा चारधाम क्षेत्र में हो रहे हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं की श्रृंखला का हिस्सा है और पहाड़ी उड़ानों की मूलभूत कमजोरियों को उजागर करता है।

पहाड़ों में हेलीकॉप्टर उड़ानें स्वाभाविक रूप से जोखिम भरी होती हैं। संकरी घाटियां, अचानक बदलता मौसम, घना बादल, तेज हवाएं और ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी पायलट के निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करती है। चारधाम यात्रा में हेलीकॉप्टर सेवाएं लोकप्रिय हो गई हैं क्योंकि वे तीर्थयात्रियों को कठिन पैदल यात्रा से बचाती हैं। लेकिन यह सुविधा सुरक्षा के मूल्य पर आ रही है। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (र्ऱढ्ढक्च) के आंकड़ों के अनुसार 2015 से 2025 के बीच चारधाम सेक्टर में आठ दुर्घटनाएं और एक गंभीर घटना हुई, जिनमें से पांच घातक थीं। इनमें से अधिकांश का कारण मानक संचालन प्रक्रियाओं (स्हक्क) का पालन न करना, खराब मौसम में निर्णय लेना और ऊंचाई संबंधी चुनौतियां थीं। 2025 में ही कई हादसे हुए, जिनमें गौरीकुंड और उत्तराकाशी के क्रैश प्रमुख हैं।



जोशीमठ हादसे के संभावित कारणों में मौसम सबसे अहम माना जा सकता है। भारतीय मौसम विभाग ने चमोली में तूफान, बारिश और तेज हवाओं का ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। उड़ान भरते समय स्थानीय मौसम भले ही साफ रहा होगा, लेकिन घाटी में बादल और वर्षा अचानक छा गए होंगे। पहाड़ी उड़ानों में नियंत्रित उड़ान में भू-भाग से टकराना (ष्टस्नढ्ढञ्ज) एक सामान्य कारण होता है, जब पायलट दृश्यता खोकर गलत दिशा में चला जाता है। अन्य संभावित कारणों में पायलट का अनुभव, विमान की रखरखाव स्थिति या ऑपरेटर द्वारा जल्दबाजी में उड़ान भरने का दबाव शामिल हो सकता है। एएआईबी जांच में उपलब्ध उपकरणों की जांच करेगा (हेलीकॉप्टर में आमतौर पर ब्लैक बॉक्स नहीं होता), पायलट का उड़ान इतिहास, रखरखाव रिकॉर्ड और चारधाम संबंधी डीजीसीए नियमों का अनुपालन देखा जाएगा। जांच में दोषी कौन साबित होगा, यह अभी स्पष्ट नहीं। एएआईबी का उद्देश्य दोषारोपण नहीं, बल्कि कारण पता कर भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है। फिर भी व्यावहारिक रूप से पायलट की निर्णय लेने की गलती, ऑपरेटर की नियामकीय लापरवाही या दोनों सामने आ सकते हैं। फिलहाल उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण ने ट्रांस भारत एविएशन के पूरे बेड़े को एहतियातन ग्राउंड कर दिया है। पूर्व में इस कंपनी के पायलटों के लाइसेंस खराब मौसम में उड़ान भरने पर निलंबित हो चुके हैं और आपातकालीन लैंडिंग की घटनाएं भी रही हैं। यदि जांच में स्हक्क उल्लंघन या मुनाफ़े के दबाव में उड़ान साबित हुई, तो ऑपरेटर और संबंधित प्रबंधन जिम्मेदार ठहराए जा सकते हैं।

भारत में निजी हेलीकॉप्टर ऑपरेटर चारधाम जैसे क्षेत्रों में नियम-कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए देखे गए हैं। एएआईबी पुरानी रिपोर्टों में स्पष्ट हुआ है कि अधिकांश हादसे स्हक्क का पालन न करने से हुए। फर्जी फ्लाइट लॉग, पायलटों के ड्यूटी घंटों की अनदेखी, खराब मौसम में उड़ान और अतिरिक्त यात्राओं के लिए नकद लेन-देन जैसी शिकायतें आम रही हैं। 2025 के गौरीकुंड क्रैश में आर्यन एविएशन पर स्हक्क उल्लंघन का आरोप लगा और उसके संचालन निलंबित किए गए। डीजीसीए ने कई बार ऑडिट किए, जुर्माने लगाए और कुछ ऑपरेटरों को अस्थायी रूप से रोका, लेकिन ये कदम अधिकतर हादसों के बाद प्रतिक्रियात्मक रहे हैं। मुनाफे की होड़ में यात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए नियमों को ताक पर रखा जाता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए इस मामले में ढीले साबित हो रहे हैं क्योंकि नियामक ढांचा काफ़ी हद तक खंडित है। डीजीसीए राष्ट्रीय स्तर पर लाइसेंसिंग और नियम बनाने वाला निकाय है, जबकि उत्तराखंड में उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण दैनिक समन्वय संभालता है। गौरतलब है कि संसदीय स्थायी समिति ने भी इस क्षेत्राधिकारिक अस्पष्टता को रेखांकित किया है कि डीजीसीए निरंतर और सक्रिय पर्यवेक्षण नहीं करता। पर्वतीय उड़ानों के लिए पर्याप्त हिल-फ्लाइंग अनुभव, मौसम निगरानी और आपातकालीन लैंडिंग स्थलों की कमी बनी हुई है। एएआईबी ने 50 घंटे की पर्यवेक्षित हिल उड़ान की सिफारिश की है, लेकिन इसका क्रियान्वयन कमजोर रहा है। परिणाम यह है कि हादसे होते रहते हैं और केवल अस्थायी ग्राउंडिंग या सर्कुलर जारी करके मामला ठंडा कर दिया जाता है। निजी चॉपर ऑपरेटरों द्वारा केवल मुनाफे के बारे में सोचना और यात्रियों की सुरक्षा के साथ समझौता करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं। चारधाम यात्रा आध्यात्मिक है, लेकिन यह व्यावसायिक अवसर भी बन गई है। जब ऑपरेटर खराब मौसम की चेतावनी के बावजूद उड़ान भरते हैं या पायलटों पर अतिरिक्त सॉर्टी का दबाव डालते हैं, तो वे जानबूझकर जोखिम बढ़ा रहे होते हैं। यात्रियों को 'तीर्थ यात्राÓ का आकर्षण दिखाकर महंगे टिकट बेचे जाते हैं, लेकिन उनके जीवन की कीमत मुनाफे के आगे नहीं आंकी जाती। सुरक्षा एक समझौता नहीं, अनिवार्य शर्त होनी चाहिए।



मेष राशिः आज का दिन कामकाज के लिहाज से महत्वपूर्ण रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर चलना होगा। साझेदारी में काम करने वालों को किसी फैसले में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं और पुराने संपर्कों से लाभ मिल सकता है।

वृषभ राशिः भाग्य का मिलेगा साथ, वृषभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आ सकता है। लंबे समय से रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। नौकरी और व्यवसाय से जुड़े लोगों को नई संभावनाएं मिल सकती हैं। विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई में एकाग्रता बनाए रखने का अच्छा समय है। परिवार में किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हो सकती है। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें।

मिथुन राशिः फैसले लेते समय बरतें सावधानी, मिथुन राशि वालों आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव वाला रह सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी काम को पूरा करने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है। किसी भी तरह के आर्थिक लेन-देन में सावधानी बरतें और बिना पढ़े किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर न करें।

कर्क राशिः रिश्तों में बढ़ेगा आपसी तालमेल, कर्क राशि वालों आज का दिन रिश्तों और साझेदारी के लिहाज से महत्वपूर्ण रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी जरूरी विषय पर बातचीत हो सकती है। व्यवसाय करने वाले लोगों को साझेदारी से जुड़े मामलों में स्पष्टता रखनी चाहिए। घर-परिवार में सुखद माहौल बनाए रखने के लिए आपकी भूमिका अहम रहेगी। आर्थिक मामलों में किसी पर आंख बंद करके भरोसा करने से बचें।

सिंह राशिः नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन अपनी कार्यक्षमता से आप बेहतर परिणाम हासिल कर सकते हैं। पुराने विवादों को बातचीत से सुलझाने का प्रयास करें। स्वास्थ्य और दिनचर्या पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। खर्चों को नियंत्रित रखें। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने से मानसिक सुकून मिलेगा। किसी भी मामले में अहंकार को बीच में न आने दें।

कन्या राशिः रचनात्मक कार्यों में मिलेगी सफलता, कन्या राशि वालों आज का दिन रचनात्मक गतिविधियों और व्यक्तिगत प्रयासों के लिए अच्छा रह सकता है। विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। नौकरी में आपकी मेहनत और काम करने का तरीका लोगों का ध्यान आकर्षित कर सकता है। प्रेम संबंधों में मधुरता बनाए रखने के लिए बातचीत को महत्व दें। आर्थिक मामलों में आय के साथ खर्चों का भी हिसाब रखें।

तुला राशिः परिवार और संपत्ति के मामलों पर रहेगा ध्यान, तुला राशि वालों आज आपका ध्यान घर-परिवार और निजी मामलों पर अधिक रहेगा। मकान, जमीन या वाहन से संबंधित किसी योजना पर विचार कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अपनी योजनाओं को लेकर स्पष्टता बनाए रखें। किसी करीबी व्यक्ति की बात आपको भावनात्मक रूप से प्रभावित कर सकती है।

वृश्चिक राशिः साहस और प्रयासों से मिलेगा लाभ, वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए प्रयासों के लिहाज से अच्छा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और वरिष्ठ अधिकारियों से सहयोग मिलने की संभावना है। व्यवसाय में आपकी सक्रियता लाभ के नए रास्ते खोल सकती है। मित्रों और परिचितों के साथ संपर्क बढ़ेगा।

धनु राशिः आर्थिक मामलों में मिल सकते हैं अच्छे परिणाम, धनु वालों का आज का दिन आर्थिक और व्यावसायिक मामलों में सकारात्मक रह सकता है। नौकरीपेशा लोगों को आय बढ़ाने के नए अवसर मिल सकते हैं। व्यवसाय से जुड़े लोगों को अपनी योजनाओं पर काम करने का मौका मिलेगा। परिवार में किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हो सकती है। वाणी में संयम रखना आपके लिए जरूरी रहेगा।

मकर राशिः आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे, मकर राशि वालों आज चंद्रमा आपकी ही राशि में गोचर कर रहे हैं, जिससे आप अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक मामलों को लेकर अधिक सक्रिय रह सकते हैं। नौकरी में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं और आपके काम की सराहना होने के संकेत हैं। किसी नए काम की शुरुआत से पहले पूरी जानकारी जुटा लें।

कुंभ राशिः खर्चों पर रखना होगा नियंत्रण, कुंभ राशि वालों आज का दिन थोड़ा संभलकर आगे बढ़ने का संकेत दे रहा है। कार्यक्षेत्र में किसी काम को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं। विदेश या दूर स्थान से जुड़े कामों में व्यस्तता बढ़ सकती है। आर्थिक मामलों में अनावश्यक खर्चों से बचें और बजट बनाकर चलें। जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर मतभेद हो सकता है, इसलिए बातचीत में संयम रखें।

मीन राशिः आय के नए स्रोत बन सकते हैं, मीन राशि वालों आज का दिन आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से अच्छा रहने की संभावना है। आय के नए स्रोत तलाशने में सफलता मिल सकती है। नौकरीपेशा लोगों को सहकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय करने वालों को पुराने संपर्कों से लाभ मिल सकता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070</

आईसीसी का दूसरी बार अध्यक्ष नियुक्त होने पर जय शाह को भारतीय क्रिकेट जगत ने दी बधाई

एजेंसी, नई दिल्ली



अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष के रूप में जय शाह की लगातार दूसरी बार निर्विरोध नियुक्ति पर भारतीय क्रिकेट जगत से उन्हें बधाइयां मिल रही हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई),बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास, भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर, दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली, केएल राहुल, मिताली राज, हरभजन सिंह और शिखर धवन सहित कई खिलाड़ियों ने शाह को नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी हैं। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर शाह को बधाई दी। बोर्ड ने लिखा, "बाली में वैश्विक क्रिकेट संस्था की बोर्ड बैठकों के दौरान आईसीसी अध्यक्ष के रूप में लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध पुनर्नियुक्त होने पर जय शाह को बधाई। हम कामना करते हैं कि आप अपने प्रयासों में लगातार सफलता हासिल करें और क्रिकेट को हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।" बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने शाह के नेतृत्व, दूरदृष्टि और क्रिकेट के विकास तथा वैश्विक पहचान बढ़ाने में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने लिखा, "अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष के रूप में आपके योग्य पुनर्निर्वाचन पर हार्दिक बधाई, जय शाह भाई। आपका नेतृत्व, स्पष्ट दृष्टिकोण और क्रिकेट के प्रति अटूट प्रतिबद्धता प्रेरणादायक रही है। खेल के विकास और वैश्विक पहचान बढ़ाने में आपका योगदान वास्तव में प्रेरित करने वाला है।" मन्हास ने आगे लिखा, "व्यक्तिगत रूप से और बीसीसीआई की ओर से मुझे आपको हार्दिक बधाई, सम्मान और भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए बेहद खुशी हो रही है। उम्मीद है कि आपका यह कार्यकाल और बड़ी उपलब्धियां लेकर आएगा और आप विश्व क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के नए अवसर तैयार करेंगे।" भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी शाह को बधाई देते हुए उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया। उन्होंने लिखा, "जय शाह भाई, आईसीसी अध्यक्ष के रूप में एक और योग्य कार्यकाल के लिए बधाई। आपके नेतृत्व पर जताया गया भरोसा अपने आप में सब कुछ बयां करता है। उम्मीद है कि आप क्रिकेट को और भी ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।" डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा, "आईसीसी अध्यक्ष के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए पुनर्नियुक्त होने पर जय शाह को बधाई। यह क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण समय है, क्योंकि खेल नए अवसरों को अपनाने की तैयारी कर रहा है। इनमें लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 में क्रिकेट की वापसी भी शामिल है।" उन्होंने आगे कहा, "खेल के वैश्विक विकास को गति देने, इसके तंत्र को मजबूत करने और नए दर्शकों तक पहुंचाने में उनका नेतृत्व महत्वपूर्ण होगा। इस अहम जिम्मेदारी के लिए उन्हें लगातार सफलता की शुभकामनाएं।" भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने भी शाह को बधाई देते हुए लिखा, "बधाई हो, जय भाई। आपको क्रिकेट को और भी ऊंचाइयों तक ले जाते हुए देखने के लिए उत्साहित हूं।" भारत की पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज मिताली राज ने शाह की दूरदृष्टि और महिला क्रिकेट के विकास के लिए अवसर तैयार करने की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने लिखा, "आईसीसी अध्यक्ष के रूप में दोबारा नियुक्त होने पर बधाई, जय शाह सर। क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के आपके दृष्टिकोण और प्रतिबद्धता के साथ-साथ महिला क्रिकेट के विकास के लिए सार्थक अवसर तैयार करने के आपके प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं। क्रिकेट को उसके अगले अध्याय में ले जाने के लिए आपके नेतृत्व को शुभकामनाएं।" पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने लिखा, "आईसीसी अध्यक्ष के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए हार्दिक बधाई, जय शाह भाई। क्रिकेट को नए दर्शकों तक पहुंचाने और नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आपको लगातार सफलता की शुभकामनाएं।

दोहा विश्व चैंपियनशिप में भारत ने रचा इतिहास, 2028 ओलंपिक के लिए पहले ही मुकाबले में मिले तीन कोटा

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय निशानेबाजों ने दोहा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 के लिए तीन कोटा स्थान हासिल किए हैं। इसके साथ ही भारत ने कम से कम पिछले पांच ओलंपिक चक्रों में अपनी सबसे शानदार शुरुआती ओलंपिक क्वालीफिकेशन उपलब्धि दर्ज की है। लंदन ओलंपिक-2012 से लेकर लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 तक के पांच लगातार ओलंपिक चक्रों में यह पहला अवसर है, जब भारतीय निशानेबाजों ने पहले ही क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में तीन कोटा हासिल किए हैं। खास बात यह है कि तीनों कोटा राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्धाओं में विश्व चैंपियनशिप के पदक जीतकर मिले हैं। जयपाल मालवीय ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोला। इसके बाद नीरज कुमार ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में कांस्य पदक हासिल किया, जबकि विवान कपूर ने पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत को तीसरा ओलंपिक कोटा दिलाया। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कालिकेश नारायण सिंह देव ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, "ओलंपिक चक्र की शुरुआत में ही पहली विश्व चैंपियनशिप में तीन कोटा हासिल करना इससे जुड़े सभी लोगों के लिए बहुत बड़ा प्रोत्साहन है। मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि राइफल, पिस्टल और शॉटगन तीनों स्पर्धाओं में पदक मिले हैं। आमतौर पर इस तरह की लय बनने में कुछ विश्व कप लग जाते हैं। ऐसे में इतनी जल्दी तीन कोटा हासिल होने से टीम पर दबाव काफी कम होगा और हमारे कोचिंग स्टाफ को लॉस एंजिलिस की तैयारी की योजना बनाने के लिए स्पष्ट दिशा मिलेगी।" दोहा में भारत का प्रदर्शन पिछले चार ओलंपिक चक्रों की शुरुआती क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं से बेहतर रहा। लंदन ओलंपिक-2012 से पहले 2010 में म्यूनिख विश्व चैंपियनशिप में भारत ने दो कोटा हासिल किए थे। रियो ओलंपिक-2016 से पहले 2014 की ग्रेनाडा विश्व चैंपियनशिप में एक कोटा मिला था। टोक्यो ओलंपिक-2020 से पहले 2018 की चांगवोन विश्व चैंपियनशिप में भारत को दो कोटा मिले थे। वहीं, पेरिस ओलंपिक-2024 से पहले 2022 में ओसिजेक शॉटगन विश्व चैंपियनशिप और काहिरा राइफल-पिस्टल विश्व चैंपियनशिप में भारत ने कुल दो कोटा हासिल किए थे। एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार सिंह ने दोहा में निशानेबाजों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, "विश्व चैंपियनशिप में ओलंपिक कोटा हासिल करना कभी आसान नहीं होता, क्योंकि दुनिया के सभी शीर्ष निशानेबाज एक ही प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हैं। जयपाल, नीरज और विवान ने बेहद कड़े फाइनल मुकाबलों में अपना संयम बनाए रखा और शानदार प्रदर्शन से ये कोटा हासिल किए।

गंभीर बोले, गेंदबाज जिताते हैं सीरीज

एजेंसी, हैमिल्टन



भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने न्यूजीलैंड में एकदिवसीय सीरीज जीतने केा बाद गेंदबाजों की जमकर प्रशंसा की है। गंभीर ने कहा कि जिस प्रकार से गेंदबाजों ने कम स्कोर का भी बचाव करते हुए पांचवें एकदिवसीय में टीम को जीत दिलायी है उससे उनके महत्व का अंदाजा होता है। भारतीय गेंदबाजों ने पांचवें और अंतिम एकदिवसी में 210 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए मेजबान टीम को 187 रनों पर ही आउट कर भारतीय टीम को 22 रनों से जीत दिला दी थी। इससे टीम ने 3-1 से सीरीज जीती। इस जीत के बाद गंभीर ने सोशल मीडिया पर गेंदबाजों की अहमियत को रेखांकित करते हुए लिखा, गेंदबाज आपको सीरीज जिताते हैं। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी इस जीत को बड़ी उपलब्धि बताया, खासकर न्यूजीलैंड के लगातार बदलते मौसम और चुनौतीपूर्ण खेल हालातों को देखते हुए। उन्होंने कहा कि टीम ने टी-20 और एकदिवसीय दोनों सीरीज जीतकर अपनी क्षमता दिखायी है। अय्यर ने माना है कि अंतिम मैच में बल्लेबाजों का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा, फिर भी टीम को अपने पर विश्वास था कि वह किसी भी समय मैच का रुख पलट सकती है। उन्होंने पूरी सीरीज के दौरान गेंदबाजों की भूमिका की सराहना की। श्रेयस ने कहा, पूरी सीरीज देखें तो यह बल्लेबाजों की सीरीज नहीं थी। गेंदबाजों ने हर अवसर मौके पर जिम्मेदारी संभाली और अलग-अलग हालातों में टीम को जीत दिलाने का भरोसा दिखाया। उन्होंने टीम के खिलाड़ियों के रवैये और उनके चरित्र को टीम की सफलता के लिए आवश्यक बताया। वहीं दूसरी ओर, न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि पिच दो गति वाली थी, कुछ गेंदें तेजी से आ रही थीं जबकि कुछ धीमी थीं। सैंटनर ने माना कि भारतीय गेंदबाजों ने सही क्षेत्ररक्षण लगाकर बल्लेबाजों पर दबाव बनाया और पिच के उछाल का भी लाभ उठाया। मैच के हीरो रहे अर्शदीप सिंह ने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से टीम की जीत में अहम योगदान दिया। उन्होंने चार गेंदों में 14 रन बनाने के बाद गेंदबाजी के दौरान 3 विकेट लिए।

सैफ चैंपियनशिप : पाकिस्तान के खिलाफ खिताबी मुकाबले में भारत की नजरें ऐतिहासिक हैट्रिक पर

एजेंसी, ढाका



गत चैंपियन भारतीय फुटबॉल टीम मंगलवार को यहां राष्ट्रीय स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में उतरेगी। भारतीय टीम की नजरें लगातार तीसरी बार खिताब जीतकर इतिहास रचने और अपना 10वां खिताब हासिल करने पर होंगी। भारत ने अब तक रिकॉर्ड नौ बार सैफ चैंपियनशिप का खिताब जीता है। टीम ने 1993, 1997, 1999, 2005, 2009, 2011, 2015, 2021 और 2023 में यह उपलब्धि हासिल की है। हालांकि, भारतीय टीम अब तक लगातार तीन संस्करणों में खिताब नहीं जीत सकी है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की वेबसाइट के अनुसार, भारत ने 15 संस्करणों में से 14 में शीर्ष दो में जगह बनाई है। केवल 2003 में टीम फाइनल तक नहीं पहुंच सकी थी। दूसरी ओर, पाकिस्तान पहली बार सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। टीम इससे पहले चार बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी, जिसमें पिछला मौका 2018 में आया था। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने मेजबान बांग्लादेश को 1-0 से हराकर पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। अब्दुल समद ने 86वें मिनट में निर्णायक गोल किया। भारतीय टीम के मुख्य कोच नौशाद मूसा ने फाइनल में पहुंचने पर खुशी जताते हुए खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सामूहिक प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा, "अब तक टीम का सफर देखकर मैं बहुत खुश हूं। एक और फाइनल में पहुंचना खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयास का नतीजा है। इस दौरान हमें कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन खिलाड़ियों ने अपने चरित्र, जुझारूपन और प्रतिस्पर्धा करने की मजबूत इच्छाशक्ति का परिचय दिया। हर मुकाबला सीखने और सुधार करने का अवसर रहा है और अब हमें एक और महत्वपूर्ण कदम उठाना है।"

बिजनेस

19 नवंबर को लॉन्च होगा महानदी कोलफील्ड्स का आईपीओ, 27 नवंबर को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली



कोल माइनिंग सेक्टर की दिग्गज सरकारी कंपनी और कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक इकाई महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड का करीब 9,500 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 नवंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च किया जाएगा। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक 23 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 25 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 26 नवंबर को सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में शेयर क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलॉटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 27 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के मेनबोर्ड प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए प्राइस बैंड और लॉट साइज की घोषणा अभी नहीं की गई है। इस आईपीओ के तहत दो रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 66,18,36,300 शेयर जारी किए जा रहे हैं। यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) पर आधारित है, जिसमें प्रमोटर कोल इंडिया लिमिटेड अपनी 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच रही है। इसमें कोई नए शेयर जारी नहीं किए जा रहे हैं, इसलिए इस इश्यू से मिलने वाली पूरी रकम प्रमोटर कोल इंडिया के पास जाएगी और कंपनी को कोई धनराशि प्राप्त नहीं होगी। इस आईपीओ के कुल साइज में से कोल इंडिया के कर्मचारियों के लिए 3.3 करोड़ शेयर यानी 5 प्रतिशत हिस्सा और कोल इंडिया के शेयरधारकों के लिए 6.61 करोड़ शेयर यानी 10 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रखा गया है। शेष नेट ऑफर में से क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा सुरक्षित रखा गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस पूरे इश्यू के लिए एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड, एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, बीओबी कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड, आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स एंड सिक्योरिटीज लिमिटेड और आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कंपनी द्वारा सेबी के पास जमा किए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में दी गई जानकारी के अनुसार कंपनी की वित्तीय स्थिति काफी मजबूत बनी हुई है। हालांकि इसके शुद्ध लाभ में लगातार गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 11,841.55 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ (प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) हुआ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 10,825.12 करोड़ रुपये रहा। इसके अगले वित्त वर्ष 2025-26 में शुद्ध लाभ और गिरावट के साथ 10,698.12 करोड़ रुपये के स्तर पर दर्ज किया गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही यानी 30 सितंबर 2026 तक कंपनी को 4,880.66 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में कमोबेश स्थिरता बनी रही। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 33,590.34 करोड़ रुपये का कुल राजस्व (टोटल इनकम) प्राप्त हुआ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 33,028.65 करोड़ रुपये रहा और अगले वित्त वर्ष 2025-26 में 3 प्रतिशत की बढ़त के साथ 33,899.28 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

महानदी कोलफील्ड्स का आईपीओ 19 नवंबर को खुलेगा, मूल्य दायरा 129-136 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी, नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की अनुषंगी कंपनी ओडिशा स्थित महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 19 नवंबर को निवेश के लिए खुलेगा। इसमें निवेश के लिए निवेशक 23 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 129-136 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में बताया कि एमसीएल का आईपीओ 19 नवंबर को निवेशक के लिए खुलेगा और 23 नवंबर को बंद होगा। इसके लिए मूल्य दायरा 129-136 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी अपने आईपीओ के जरिए 8,981 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। एमसीएल के मुताबिक ये आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। इसके तहत प्रवर्तक कोल इंडिया लिमिटेड 66.18 करोड़ शेयर बेचकर अपनी 10 फीसदी हिस्सेदारी कम करेगी। कंपनी के सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के अनुसार इस आईपीओ में कोल इंडिया अपनी हिस्सेदारी का एक हिस्सा बेचेगी। कंपनी का शेयर 27 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध हो सकता है।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 673 अंक उछला

एजेंसी, नई दिल्ली



हफ्ते के पहले कारोबारी एवं छठ पूजा के समापन पर आज शेयर बाजार के दोनों प्रमख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 673 अंक उछलकर 82,153 पर और निफ्टी 165 में स्तर पर कारोबार कर रहा है। फिलहाल बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 673.34 अंक यानी 0.83फीसदी की तेजी के साथ 82,265.80 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एकसचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 182.15 अंक यानी 0.72 फीसदी की उछाल के साथ 25,326.45 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। शेयर बाजार में इस बढ़त में इंफोसिस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा जैसी बड़ी आईटी कंपनियों ने अहम भूमिका निभाई है। इनके साथ ही स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस जैसे बड़े बैंकों के शेयरों में भी तेजी देखने को मिल रही है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि विदेशी निवेशकों का जोरदार निवेश और उम्मीद से बेहतर कंपनियों के नतीजे इस उछाल को ऊर्जा दे रहे हैं। हालांकि, सभी सेक्टर्स में ऐसा नहीं रहा। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन और टाटा स्टील जैसी कंपनियों के शेयर गिरे भी, लेकिन भविष्य में अच्छी ग्रोथ की उम्मीद के चलते दलाल स्ट्रीट पर निवेशकों का भरोसा बना हुआ है। इसके अलावा रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.24 पर कारोबार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि 13 नवंबर (शुक्रवार) को शेयर बाजार लगातार तीन दिन की तेजी के बाद गिरावट बंद हुआ था। सेंसेक्स 318.56 अंक यानी 0.39 फीसदी की गिरावट के साथ 81,592.45 के स्तर पर और निफ्टी 155.05 अंक यानी 0.61 फीसदी की गिरावट के साथ 25,144.30 के स्तर पर बंद हुआ था।

विदेशी निवेशकों ने नवंबर में झोंके 76,188 करोड़ रुपये, तीन साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

एजेंसी, नई दिल्ली



लगातार दो महीनों की भारी बिकवाली के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर में भारतीय शेयर बाजार में ऐतिहासिक वापसी की है। सिर्फ दो सप्ताह के भीतर ही विदेशी निवेशकों ने घरेलू बाजार में इतना पैसा लगा दिया है कि तीन साल पुराना मंथली रिकॉर्ड भी टूट गया है। विदेशी निवेशकों के इस जबरदस्त उत्साह से दलाल स्ट्रीट की रौनक फिर से लौट आई है और घरेलू निवेशकों का मनोबल भी काफी मजबूत हुआ है। स्टॉक मार्केट के आंकड़ों के मुताबिक इस महीने 13 नवंबर 2026 के बीच विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी मार्केट में 76,188.75 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की है। इससे पहले किसी एक महीने में सर्वाधिक विदेशी निवेश का रिकॉर्ड दिसंबर 2023 के नाम दर्ज था, जब एफपीआई ने एक महीने में 66,135 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इस बार नवंबर मे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने ताबड़तोड़ खरीदारी करते हुए नया कीर्तिमान बना डाला। महीने के शुरुआती नौ कारोबारी सत्रों में ही एफपीआई द्वारा दिसंबर 2023 बनाया 66,135 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड पीछे छूट गया और अब एक नया रिकॉर्ड स्थापित हो गया है। नवंबर की यह ताबड़तोड़ खरीदारी इसलिए भी बेहद खास है, क्योंकि इससे ठीक पहले के दो महीनों में विदेशी निवेशकों ने बाजार से जम कर पूंजी निकाली थी। सितंबर महीने में विदेशी निवेशकों ने 35,861 करोड़ रुपये और अक्टूबर महीने में 34,843 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की थी। इस तरह दो महीनों में कुल 70,704 करोड़ रुपये भारतीय बाजार से बाहर चले गए थे, जिसकी पूरी भरपाई नवंबर के शुरुआती दो हफ्तों में ही हो गई है।

टेक्नोलॉजी का जादूः एआई के दम पर दौड़ेगी दुनिया की अर्थव्यवस्थाः रिपोर्ट

एजेंसी, काहिरा । भारत और मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 6.5 अरब डॉलर से बढ़ाकर 12 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। इसके लिए दोनों देशों ने गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुगम बनाने और बाजार तक पहुंच बेहतर करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यह विचार-विमर्श रविवार को हुई भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) की बैठक में हुआ, जिसकी सह-अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और मिस्र के निवेश एवं विदेश व्यापार मंत्री मोहम्मद फरीद सालेह ने की। द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों ने एक तरजीही व्यापार समझौते या मुक्त व्यापार समझौते की संभावनाओं पर विचार करने हेतु एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, उत्पादों के पंजीकरण और व्यापार संबंधी नियामकीय प्रक्रियाओं सहित कारोबारी गतिविधियों को प्रभावित करने वाले मुद्दों के समाधान पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने मौजूदा व्यापार संबंधों की समीक्षा करते हुए इसे 12 अरब डॉलर तक ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, साथ ही व्यापार में विविधता लाने, मूल्यवर्धित निर्यात को बढ़ावा देने और व्यापार संबंधी चुनौतियों का समाधान करने पर जोर दिया।

कोचीन शिपयार्ड, पीएफसी और ऑयल इंडिया समेत 4 सरकारी कंपनियां इस सप्ताह बांटेंगी अंतरिम लाभांश

एजेंसी, नई दिल्ली



सोमवार यानी 16 नवंबर से शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह के दौरान चार प्रमुख सरकारी कंपनियों के शेयर निवेशकों के रडार पर रहेंगे। इन कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने शेयरधारकों को अंतरिम लाभांश यानी इंटरिम डिविडेंड देने का ऐलान किया है। डिविडेंड के लिए इन चारों सरकारी कंपनियों की रिकॉर्ड डेट इसी सप्ताह 16 से 20 नवंबर के बीच पड़ रही है। डिविडेंड देने वाली कंपनियों की इस लिस्ट में सबसे पहला नाम रक्षा और जहाज निर्माण क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड का है। कंपनी के निदेशक मंडल ने अपने निवेशकों को प्रति शेयर 3 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देने की घोषणा की है। इसके लिए 16 नवंबर को रिकॉर्ड डेट तय की गई है। पिछले कारोबारी दिन शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कोचीन शिपयार्ड का शेयर 1.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,178.50 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था। पिछले एक महीने के दौरान इस स्टॉक में करीब 6.87 प्रतिशत और छह महीने में 28.69 प्रतिशत की कमजोरी देखने को मिली है। समुद्री परिवहन क्षेत्र की प्रमुख सरकारी कंपनी शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया भी इस सप्ताह डिविडेंड को लेकर चर्चा में रहने वाली है। कंपनी ने अपने शेयर होल्डर्स के लिए प्रति शेयर 4 रुपये के अंतरिम डिविडेंड का ऐलान किया है। इस डिविडेंड के लिए भी 16 नवंबर की तारीख को ही रिकॉर्ड डेट निर्धारित किया गया है। इसके पहले शुक्रवार को बाजार की गिरावट के बावजूद यह शेयर 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 270.55 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था। पिछले एक सप्ताह में इस शेयर ने 3.64 प्रतिशत और दो सप्ताह में 10.47 प्रतिशत की शानदार तेजी दिखाई है।

सलमान के बाद अब सैफ अली खान ने भी अपनाई साथ खाने की आदत

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के घर में रात के खाने को लेकर एक खास नियम है, जिसे अभिनेता सैफ अली खान ने भी अपनाया है। सलमान खान के परिवार में सभी सदस्य, चाहे बच्चे हों या बड़े, रात के खाने के समय एक साथ बैठते हैं। इस दौरान सभी लोग हंसी-मजाक करते हैं, दिनभर की बातें साझा करते हैं और कोई भी खाना खाने की जल्दी नहीं करता। उनके घर में यह नियम है कि सभी लोग तब तक मेज पर बैठे रहते हैं जब तक हर कोई अपना भोजन समाप्त नहीं कर लेता। यह आदत परिवार को एक-दूसरे के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने का मौका देती है और रिश्तों को गहरा करती है। साथ में भोजन करने से परिवार के सदस्यों को एक-दूसरे के दिन के बारे में पता चलता है और अपनी बातें साझा करने का अवसर मिलता है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के शोध और विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह साथ में भोजन करने से स्वास्थ्य को कई तरह के फायदे मिलते हैं। यह सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए एक अच्छा रूटीन भी है। विशेषज्ञों के अनुसार, परिवार के साथ भोजन करने से बेहतर खानपान की आदतें विकसित होती हैं। घर का बना पौष्टिक खाना, जिसमें फल, सब्जियां और फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं, दिल और रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने में मदद करता है। यह कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। साथ ही, यह जंक फूड से दूरी बनाकर मोटापे के जोखिम को भी काफी हद तक कम कर सकती है, क्योंकि बाहर के खाने की तुलना में घर का भोजन अधिक संतुलित होता है। भोजन मेज केवल खाना खाने की जगह नहीं होती, बल्कि परिवार के लोगों के बीच बातचीत और जुड़ाव का एक महत्वपूर्ण साधन भी है। बच्चे अपने दिनभर की बातें, परेशानियां और भावनाएं माता-पिता के साथ साझा कर पाते हैं, जिससे परिवार में भरोसा और अपनापन बढ़ता है। यह बच्चों को भावनात्मक रूप से मजबूत बनाने में सहायक होता है और उनमें रूटीन, अनुशासन तथा बेहतर खानपान की आदतें विकसित करता है।

बच्चे अपने बड़ों को देखकर बहुत कुछ सीखते हैं, और साथ में बैठकर खाना खाने से वे स्वस्थ भोजन विकल्पों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। सलमान खान के परिवार की इस आदत से प्रभावित होकर अभिनेता सैफ अली खान ने भी इसे अपने घर में अपनाया है। अब सैफ, करीना कपूर और उनके परिवार के सभी सदस्य रात का खाना साथ बैठकर खाते हैं और इसी दौरान बातचीत भी करते हैं। यह आदत उनके परिवार में भी एकजुटता और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा दे रही है। विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं के अनुसार, एक साथ बैठकर भोजन करने की यह आदत न केवल पारिवारिक संबंधों को मजबूत करती है बल्कि दिल की सेहत समेत कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करती है।



चित्रांगदा सिंह ने की सलमान खान की जमकर तारीफ बोलीं-वो सबको बेस्ट दिखाते हैं

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह आगामी वॉर-ड्रामा फिल्म मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस में अभिनेता सलमान के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को याद करते हुए बताया कि अभिनेता की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और आत्मविश्वास ने शुरुआत में उन्हें थोड़ा नर्वस कर दिया था। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में सलमान खान की जमकर तारीफ की। चित्रांगदा का कहना है कि सलमान खान में दूसरों से बेस्ट निकलवाने की काबिलियत है और इसी वजह से उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मजेदार हो गया। उन्होंने कहा, सलमान खान के साथ काम करना वाकई शानदार और यादगार अनुभव रहा। उनकी प्रेजेंस बेहद दमदार है। कैमरे के सामने उनमें ऐसी सहजता और आत्मविश्वास रहता है कि शुरुआत में, तो मैं भी थोड़ा नर्वस हो गई थी, लेकिन उनके काम करने के तरीके में एक शानदार सहजता भी है, जो उनके साथ फ्रेम शेयर करना इतना मजेदार बना देती है और हर सीन में एक नेचुरल एनर्जी ले आती है। चित्रांगदा सिंह ने मातृभूमि के गानों में सलमान के साथ अपनी केमिस्ट्री को मिल रहे रिस्पॉन्स को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, जब से मातृभूमि के गाने आए हैं, तब से हमारी केमिस्ट्री को बहुत प्यार मिल रहा है और मैं इस रिस्पॉन्स को देखकर वाकई बेहद खुश हूं। जब दो एक्टर स्क्रीन पर एक खास कम्फर्ट और समझ शेयर करते हैं, तो दर्शक उसे महसूस कर पाते हैं और मुझे खुशी है कि हमारी जोड़ी दर्शकों को पसंद आ रही है। मैं वाकई चाहती हूं कि दर्शक फिल्म में हमारी जोड़ी को देखें। अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित फिल्म में सलमान खान और चित्रांगदा सिंह (चित्रांगदा इसमें सलमान की पत्नी का किरदार निभा रही हैं) मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का पुराना नाम बैटल ऑफ गलवान था, जो भारत-चीन संघर्ष की पृष्ठभूमि पर आधारित थी। सलमान प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले फिल्म की कहानी एक भारतीय सैनिक (सलमान खान) के जीवन, युद्ध के खौफनाक मंजर, परिवार के दर्द और शांति के संदेश के इर्द-गिर्द घूमती है।



मातृभूमि में पहली बार साथ दिखेंगे सलमान और चित्रांगदा, नए टाइटल और कहानी को लेकर बढ़ी दर्शकों की उत्सुकता

बॉलीवुड के दबंग खान यानी सलमान खान और खूबसूरत अदाकारा चित्रांगदा सिंह की जोड़ी जल्द ही बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार है। निर्देशक अपूर्व लाखिया की आगामी वॉर-ड्रामा फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' इन दिनों सिनेमा गलियारों में चर्चा का मुख्य केंद्र बनी हुई है। खास बात यह है कि इस फिल्म में पहली बार सलमान और चित्रांगदा पति-पत्नी के रूप में नजर आएंगे, जिसे लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है। शुरुआती दौर में इस प्रोजेक्ट को 'बैटल ऑफ गलवान' के नाम से जाना जा रहा था, लेकिन बाद में मेकर्स ने इसकी संवेदनशीलता और शांति के संदेश को ध्यान में रखते हुए इसका नाम बदलकर 'मातृभूमि' कर दिया। सलमान खान के अपने प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बन रही यह फिल्म सिर्फ युद्ध के मैदान की भयावहता को ही नहीं दिखाएगी, बल्कि एक सैनिक के परिवार के त्याग और भावनात्मक संघर्ष को भी बखूबी उकेरेगी। हाल ही में रिलीज हुए फिल्म के गानों ने सोशल मीडिया पर पहले ही धूम मचा रखी है, जिसमें दोनों सितारों की मैच्योर और संजीदा केमिस्ट्री को खूब सराहा जा रहा है। ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है कि एक्शन और इमोशन से भरपूर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नए कीर्तिमान स्थापित कर सकती है।

रामायण में दिव्यता और भक्ति देखने को नहीं मिली: सुनील लहरी

मशहूर टीवी सीरियल रामायण में लक्ष्मण का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीतने वाले अभिनेता सुनील लहरी को रामायणः पार्ट 1 कुछ खास पसंद नहीं आई है। हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सुनील लहरी ने एक वीडियो साझा कर नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का विस्तृत रिव्यू दिया है। अभिनेता ने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि फिल्म में दिव्यता और भक्ति की कमी महसूस हुई। उन्हें यह भी लगा कि फिल्म निर्माताओं ने रावण के किरदार को अत्यधिक महिमामंडित किया है, जो उन्हें उचित नहीं लगा। सुनील लहरी ने कहा, नई रामायण देखी; यह एक मिला-जुला अनुभव रहा। इसमें दिव्यता और भक्ति देखने को नहीं मिली; कई महत्वपूर्ण दृश्य गायब हैं। कई दृश्यों में बातचीत का लहजा गरिमापूर्ण नहीं था, जो ऐसी पौराणिक फिल्म में होना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि रावण के किरदार को काफी महिमामंडित किया गया है। उनकी इन टिप्पणियों ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है, जहां दर्शक उनके विचारों से सहमत या असहमत होते दिख रहे हैं। इस बीच, फिल्म रामायणः पार्ट 1 के हिंदी वर्जन ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है। जानकारी के अनुसार, फिल्म ने अकेले सोमवार (अपने पांचवें दिन) को 95 करोड़ रुपये की जबरदस्त कमाई की, जिससे भारत में इसका कुल नेट कलेक्शन महज पांच दिनों में 270.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। दिवाली के त्योहारों के दौरान फिल्म की कमाई में भारी उछाल देखने को मिला। सोमवार की कमाई, पांच दिनों की कुल कमाई का लगभग 35.15% हिस्सा है। पांचवें दिन का कलेक्शन, पहले दिन की 47 करोड़ रुपये की कमाई के मुकाबले 102.13% अधिक रहा, और रविवार की 37 करोड़ रुपये की कमाई के मुकाबले इसमें 156.76% की बढ़ोतरी हुई।

फिल्म ने गुरुवार को 47 करोड़ रुपये के साथ शुरुआत की, इसके बाद शुक्रवार को 38.25 करोड़ रुपये और शनिवार को 53 करोड़ रुपये की कमाई हुई। रविवार को फिल्म का कलेक्शन 37 करोड़ रुपये रहा, जिसके बाद सोमवार को इसमें शानदार उछाल आया और यह 95 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित, रामायणः पार्ट 1 प्राचीन भारतीय महाकाव्य पर आधारित दो-भाग वाली फिल्म सीरीज का पहला हिस्सा है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम के रूप में, साई पल्लवी सीता के रूप में, यश रावण के रूप में, रवि दुबे लक्ष्मण के रूप में और सनी देओल हनुमान के रूप में नजर आएंगे।

अन्य प्रमुख भूमिकाओं में अरुण गोविल, लारा दत्ता और रकुल प्रीत सिंह शामिल हैं। अनुपम खेर ने जटायु को अपनी आवाज दी है, जो रावण द्वारा सीता के अपहरण के समय उन्हें बचाने की कोशिश करते हैं।



अरिजीत को हंसते-हंसते पेट में दर्द हो जाता है, काजी तौकीर ने बताया सिंगर का अनदेखा अंदाज

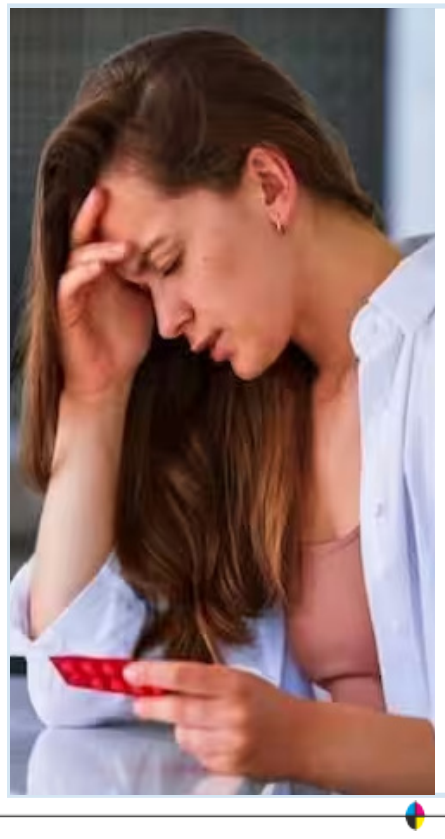
मशहूर टीवी सीरियल रामायण में लक्ष्मण का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीतने वाले अभिनेता सुनील लहरी को रामायणः पार्ट 1 कुछ खास पसंद नहीं आई है। हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सुनील लहरी ने एक वीडियो साझा कर नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का विस्तृत रिव्यू दिया है। अभिनेता ने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि फिल्म में दिव्यता और भक्ति की कमी महसूस हुई। उन्हें यह भी लगा कि फिल्म निर्माताओं ने रावण के किरदार को अत्यधिक महिमामंडित किया है, जो उन्हें उचित नहीं लगा। सुनील लहरी ने कहा, नई रामायण देखी; यह एक मिला-जुला अनुभव रहा। इसमें दिव्यता और भक्ति देखने को नहीं मिली; कई महत्वपूर्ण दृश्य गायब हैं। कई दृश्यों में बातचीत का लहजा गरिमापूर्ण नहीं था, जो ऐसी पौराणिक फिल्म में होना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि रावण के किरदार को काफी महिमामंडित किया गया है। उनकी इन टिप्पणियों ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है, जहां दर्शक उनके विचारों से सहमत या असहमत होते दिख रहे हैं। इस बीच, फिल्म रामायणः पार्ट 1 के हिंदी वर्जन ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है। जानकारी के अनुसार, फिल्म ने अकेले सोमवार (अपने पांचवें दिन) को 95 करोड़ रुपये की जबरदस्त कमाई की, जिससे भारत में इसका कुल नेट कलेक्शन महज पांच दिनों में 270.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। दिवाली के त्योहारों के दौरान फिल्म की कमाई में भारी उछाल देखने को मिला। सोमवार की कमाई, पांच दिनों की कुल कमाई का लगभग 35.15% हिस्सा है। पांचवें दिन का कलेक्शन, पहले दिन की 47 करोड़ रुपये की कमाई के मुकाबले 102.13% अधिक रहा, और रविवार की 37 करोड़ रुपये की कमाई के मुकाबले इसमें 156.76% की बढ़ोतरी हुई। फिल्म ने गुरुवार को 47 करोड़ रुपये के साथ शुरुआत की, इसके बाद शुक्रवार को 38.25 करोड़ रुपये और शनिवार को 53 करोड़ रुपये की कमाई हुई। रविवार को फिल्म का कलेक्शन 37 करोड़ रुपये रहा, जिसके बाद सोमवार को इसमें शानदार उछाल आया और यह 95 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित, रामायणः पार्ट 1 प्राचीन भारतीय महाकाव्य पर आधारित दो-भाग वाली फिल्म सीरीज का पहला हिस्सा है।



पवन-अन्ना कोनिडेला का तलाक

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता पवन कल्याण की निजी जिंदगी से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। पवन कल्याण और उनकी पत्नी अन्ना कोनिडेला (अन्ना लेझनेवा) ने आधिकारिक तौर पर एक-दूसरे से अलग होने का फैसला कर लिया है। इस घोषणा के साथ ही दोनों की 13 साल पुरानी शादी का अंत हो गया है। गौरतलब है कि यह पवन कल्याण का तीसरा तलाक होगा। पवन कल्याण और रूसी नागरिक अन्ना लेझनेवा ने सितंबर 2013 में हैदराबाद के एक सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत बेहद सादगी से शादी की थी। इस दंपति के दो बच्चे हैं—बेटी पोलेना अंजना पवनोवा और बेटा मार्क शंकर पवनोविच। अपने शुभचिंतकों, फैंस और करीबियों के लिए एक संयुक्त आधिकारिक बयान जारी करते हुए दोनों ने इस फैसले की जानकारी दी। बयान में उन्होंने कहा, "अपनी जिंदगी का एक लंबा और महत्वपूर्ण हिस्सा एक साथ बिताने के बाद, हमने आपसी समझ और पूरे सम्मान के साथ अपने रास्ते अलग करने का निर्णय लिया है।" अलग होने के बावजूद दोनों ने अपने बच्चों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को सर्वोपरि रखा है। उन्होंने स्पष्ट करते हुए आगे कहा, "भले ही पति-पत्नी के रूप में हमारी यह शादी खत्म हो गई है, लेकिन हम जीवन भर अच्छे दोस्त बने रहेंगे और अपने प्यारे बच्चों के लिए समर्पित माता-पिता के रूप में हमेशा साथ खड़े रहेंगे। हमारे बच्चों की खुशी, परवरिश और भलाई हमेशा हमारी साझा प्राथमिकता रहेगी।" राजनीति और अभिनय दोनों ही क्षेत्रों में सक्रिय रहने वाले पवन कल्याण के इस निजी फैसले ने उनके समर्थकों और फिल्म जगत को चौंका दिया है। फिलहाल, इस जोड़े ने इस संवेदनशील समय में मीडिया और प्रशंसकों से उनकी निजता का सम्मान करने की अपेक्षा की है।





सिरदर्द से परेशान हैं ? जानिए कब होनी चाहिए डॉक्टर से मिलने की जरूरत

आमतौर पर सिरदर्द को सामान्य माना जाता है, लेकिन कुछ लक्षण ऐसे होते हैं, जो इसे गंभीर बना सकते हैं। कई लोग दर्द निवारक दवाओं का सेवन करके इसे नजरअंदाज कर देते हैं। इससे कई बार गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। आइए आज हम आपको ऐसे 5 संकेत बताते हैं, जिनसे पता चल सकता है कि आपका सिरदर्द सामान्य नहीं है और आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। अगर आपको अचानक से बहुत तेज सिरदर्द हो रहा है तो इसे नजरअंदाज न करें। यह दिमाग के अंदर खून के थक्के बनने या अन्य गंभीर समस्याओं का संकेत हो सकता है। इस तरह के सिरदर्द को थंडर क्लैप हेडेक कहा जाता है और यह बहुत खतरनाक हो सकता है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और जरूरी जांच करवाएं ताकि समय रहते समस्या का पता चल सके और सही इलाज मिल सके।अगर आपको सिरदर्द के साथ-साथ आंखों के पीछे तेज दर्द हो रहा है तो इसे भी नजरअंदाज न करें। यह आंखों की किसी बीमारी का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में आपको तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए ताकि सही समय पर इलाज हो सके और आपकी आंखों की सेहत पर कोई बुरा असर न पड़े। समय रहते उपचार करने से समस्या का समाधान जल्दी हो सकता है। अगर आपको सिरदर्द के साथ-साथ ज्यादा उल्टी हो रही है तो यह एक चिंताजनक स्थिति हो सकती है, खासकर अगर उल्टी लगातार हो रही हो और आपके पेट में दर्द भी हो रहा हो। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही कारण पता चल सके और उचित इलाज मिल सके। यह लक्षण दिमाग के अंदर कोई समस्या या संक्रमण का संकेत हो सकता है, जिसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। अगर आपको सिरदर्द के साथ बुखार भी हो रहा है तो इसे हल्के में न लें। यह दिमाग की परतों के संक्रमण या अन्य गंभीर संक्रमण का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही समय पर इलाज हो सके और आपकी सेहत पर कोई बुरा असर न पड़े। समय रहते उपचार करने से समस्या का समाधान जल्दी हो सकता है और आपकी सेहत को भी सुधार सकता है। अगर आपको सिरदर्द के साथ-साथ गर्दन में अकड़न भी महसूस हो रही हो तो इसे हल्के में न लें। यह दिमाग की परतों के संक्रमण या अन्य गंभीर समस्याओं का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही समय पर इलाज मिल सके और आपकी सेहत पर कोई बुरा असर न पड़े।



1 stenographer, 4,500 cases: HC seeks explanation over delay in pronouncing order

New Delhi, Agency: Delhi High Court has directed its registry to seek explanations from a trial court judge, the chief judicial magistrate (CJM) and the district judge concerned over the failure to pronounce an order that was pending since April 22, 2026.



Taking note of the remarks in the trial court's order sheets, Justice Manmeet Pritam Singh Arora sought clarification on the staff shortage and backlog of over 4,500 cases, which were cited to explain the delay.

The matter stems from a petition filed by Pradeep Bansal and others under Article 227 of the Constitution, seeking time-bound disposal of an application dated April 8, 2024. The application seeks vacation of an interim stay granted on Dec 1, 2023, in a domestic violence complaint pending before a judicial magistrate, first class, in north Delhi.

Justice Arora noted that arguments on the application were completed on Jan 6, 2026, but the trial court was yet to pronounce its order. The matter has remained pending for pronouncement since April 22 and has been deferred four times, most recently on Oct 27. After examining the trial court's order sheets, the high court observed that they did not disclose any clear reason for the prolonged delay. What particularly caught the judge's attention, however, were repeated references to administrative constraints in the trial court's proceedings.

One of the order sheets recorded: "This court is working with only one stenographer and having pendency of more than 4,500 cases."

Noting that the remark appeared in the order sheet and was followed by similar observations in subsequent orders, Justice Arora sought an explanation from the CJM and the district judge on the circumstances in which these remarks were made. They have been asked to clarify the staffing situation and the extent of case pendency in that court.

The trial judge, meanwhile, has been asked to explain why the order has not been pronounced when arguments were concluded in Jan.

The registry has been directed to obtain reports from all three judicial authorities, covering both the reasons for the delay and the administrative constraints cited, two days before the next hearing on Dec 3.

Row erupts over foreign medicos 'MD Physician' title



NEW DELHI: An 'MD' title after a doctor's name usually signals a postgraduate medical qualification in India. But for some foreign medical graduates, MD (Physician) is the title of their primary medical degree.

This difference has triggered a dispute over professional titles, with doctors warning that patients could be misled and foreign medical graduates arguing their qualifications are officially recognised.

Dr Dhruv Chauhan, national spokesperson for Junior Doctors' Network (JDN) of Indian Medical Association, flagged the issue in a post on X, alleging some doctors misuse the 'MD' degree title awarded in foreign countries, where it may denote a primary medical qualification equivalent to MBBS in India.

He said that using it in professional titles and online biographies could mislead patients and even other doctors, and warned of possible legal consequences. He also advised doctors against such representations.

SpiceJet troubles mount, board to weigh fundraise on Nov 18

New Delhi, Agency: Cash-strapped SpiceJet's troubles have mounted to a level where the airline carrying on its skeletal operations without a fresh infusion of funds may soon become difficult.



The low cost carrier Friday informed BSE its board will meet on Nov 18 "to consider and approve the proposal for raising of fresh capital by way of issuance of equity shares, preference shares..."

Once again company sources have claimed there are two investors eying the airline. Whether this goes through and if there's a change of promoters and management - something the airline has seen multiple times in its turbulent life - remains to be seen.

SpiceJet's intimation to BSE came after multiple developments like Dubai Airports that operates Dubai International and Al Maktoum airports stopping its check-in services for SpiceJet over non-payment of about Rs 36 crore. On Thursday, its four flights to Amritsar, Jaipur, Mumbai and Delhi were cancelled due to non-payment to ground-handling company dnata. These aircraft operated to India without passengers.

On the Dubai issue, the airline spokesperson said the company is "in the process of resolving the matter. We have adequate bank guarantee cover in place and are working to ensure that the issue is sorted out at the earliest."

Urea overuse in 169 dists raises red flags, CAG probing diversion

New Delhi, Agency: CAG has initiated an all-India performance audit of fertiliser subsidy, specifically to look into the alleged diversion of subsidised urea in at least 169 districts across a few states, including the possibility of diversion outside the country. The audit, which started in May this year, is likely to be completed by mid-2027 to be tabled by the winter session of Parliament.



Govt spends more than Rs 2 lakh crore annually on the subsidised urea, and their overconsumption above the national and state average in some districts has raised concerns within govt. CAG will assess the demand and efficiency of the urea subsidy framework, which is also the terms of reference of the audit.

The selected 169 districts to be assessed for alleged diversion, include 149 initially chosen by CAG based on their consumption pattern, which were above the state and national average. Twenty other districts were added later after recommendation from the Centre to examine their consumption pattern. The audit will look into the fertiliser movement mechanism, their transportation arrangements, freight subsidy and associated monitoring and control system.

This integrated audit approaches a wider cooperation and participation from different govt departments, like the GST network, agriculture ministry, railways and others, who will assist the auditors in its assessment of the fertiliser control system and the efficacy of the regulators.

The finance ministry recently flagged the possibility of diversion of urea based on e-way bills as it found trucks were taking detours or making multiple stops. A parliamentary panel too had flagged concerns over diversion of urea, especially in border districts.

Officials said the alleged diversion of subsidised urea from some of the bordering districts in UP, Rajasthan, Punjab and Bihar has also raised doubts if they are also being smuggled out of the country. The highest 37 districts being assessed for overconsumption of urea are in UP, followed by 16 each in Bihar and Tamil Nadu, and 14 each in Punjab and Gujarat. The 20 districts that were later added for further examinations are in Karnataka, Rajasthan, MP and Maharashtra.

India's total urea consumption is estimated at around 400 LMT a year, of which more than 100 LMT are imported. Even for domestic production, it requires a huge amount of imported LPG, as the fuel constitutes 90% of the input cost of urea.

Pakistan 80 years old, can't appropriate Indus Valley civilisation: Culture minister

New Delhi, Agency: Culture minister Gajendra Singh Shekhawat Friday expressed hope that Pakistan will participate in the first SCO Civilisational Dialogue Forum in Delhi from Nov 20 to 22, even as he trashed Pakistan's attempts to appropriate Indus Valley civilisation, pointing out that the neighbouring nation came into existence only around 80 years ago.



Fifteen countries, including China, Iran, UAE, Saudi Arabia and Turkiye, have confirmed their participation for the event, which India will host at the historic Purana Quila complex. Pakistan is yet to respond to the invite. PM Narendra Modi will attend the inaugural ceremony of the dialogue forum, where India will showcase its 5,000-year-old civilisational journey.

Shekhawat highlighted that PM had proposed the establishment of a Civilisational Dialogue Forum at the 2025 SCO Summit in Tianjin, and it was subsequently, welcomed and endorsed, with India announcing to host the inaugural forum.

The invitation to Pakistan gains significance as it happens to be the first New Delhi has extended after Operation Sindoor last year. Ministers of 25 countries were invited, of which 15 countries have confirmed participation so far, he added.

When asked about attempts by a "neighbouring country" to appropriate Indus Valley civilisation, he said if a country is trying to make such a claim, the question to ask is that "did they even exist then". "They (Pakistan) came into existence only around 80 years ago..." he said.

The minister noted that Pakistan's civilisational and cultural evolution is no different from India as the former became a separate country after Partition in 1947. "So, at least on this aspect there should be no space for differences... Moreover, whatever may be a country's geopolitical, strategic and bilateral ties, one must take a step forward to reinforce cultural relations so that it can help build better dialogue and coordination between people of the two countries," he said.

The minister said Purana Qila provides an appropriate setting for the forum as the archaeological excavations at the site have revealed cultural layers and evidence of early settlements dating back to approximately 1200 BCE.

The four broad themes of the dialogue are civilisational and cultural expressions; art and architecture; language, literature, script and manuscript traditions; and monastic trails.

Breakthrough HIV drug sees 18 patent filings, may delay affordable generics

New Delhi, Agency: An unusually high 18 patent applications filed in India for lenacapavir, a breakthrough HIV therapy, have raised concerns that these could prolong market exclusivity, delay affordable generics, keep prices high and restrict patient access. Contesting the move, patient groups and civil society have filed opposition with the regulatory authorities, arguing the applications lack novelty and inventive steps.

Lenacapavir, a long-acting injectable, administered twice yearly for both HIV prevention and treatment, a medicine designated as essential by WHO.

Last year, US FDA approved Gilead Sciences' lenacapavir as the first and only twice-yearly injectable pre-exposure prophylaxis to reduce sexually acquired HIV. Gilead has filed at least 18 patent pleas till date in India, covering different aspects of it, including the base compound, salt forms, formulations, dosing regimens, compositions, and methods of use.

"The pattern of filings reflects a systematic strategy to create layered patent protection around a single medicine, with the effect of deterring generic entry and prolonged monopoly control beyond the standard 20-year patent term. Such practices, also referred to as "evergreening", whereby multiple secondary patents covering minor variations in forms, formulations, or used or pursued to extend exclusivity," KM Gopakumar, senior researcher and legal advisor at TWN told Media.

In a letter to the department for promotion of industry and internal trade, patient groups demanded that the patent office must rigorously examine and reject the company's secondary patent applications.

Australian chana, Canadian masoor: NITI Aayog flags India's food import dependence

New Delhi, Agency: India may not yet be fully secure in meeting its food requirements, with heavy dependence on imports for essential commodities such as edible oils and pulses, NITI Aayog vice-chairman Ashok Kumar Lahiri said on Friday.



Speaking at an event in Delhi, Lahiri said India imports more than half of its edible oil requirements and relies on other countries for several pulses.

He questioned whether the country was sufficiently prepared to deal with disruptions in global supplies and sudden price increases.

"We are talking about Viksit Krishi in Viksit Bharat in 2047. As we move towards Viksit Bharat at 2047, are we secure regarding our food supply across the various products? Perhaps not as yet," he said.

Lahiri said he was surprised to learn that chana (gram) consumed in India comes from Australia, while masoor dal is imported from Australia and Canada. Some pulses also come from Myanmar, African countries and Russia, according to news agency Media.

"Now you can ask what is wrong with India importing edible oils or oil seeds from Indonesia, Malaysia, Argentina, Brazil, Russia, and Ukraine, and pulses from Australia, Canada, Myanmar, Africa, and Russia," Lahiri said.

"The problem is, first, the issue of vulnerability to global supply disruptions or price shocks," he added.

Visa matters are sovereign: MEA responds after 115 foreign speakers denied nod for Congress event

New Delhi, Agency: The ministry of external affairs (MEA) on Friday defended India's visa decisions, saying these are "sovereign functions" of every government. The response came amid allegations that more than 100 foreign speakers invited to the Congress-organised Bharat Summit in Hyderabad were denied entry into India or had their visas cancelled.



"I would like to say, and all of you are aware, that visa matters are sovereign functions of any country or any government. So that is what I have to say," MEA spokesperson Randhir Jaiswal said during his the bi-weekly media briefing.

The MEA's response came amid allegations by Congress leaders that several foreign delegates who had received prior clearance from the ministry were subsequently denied entry into India or had their visas revoked. The opposition has alleged that the decisions were taken following instructions from the Union ministry of home affairs (MHA).

The two-day Bharat Summit 2026 is being held in Hyderabad on November 13 and 14, bringing together around 1,000 delegates, policymakers and thinkers from 70 countries.

Organised by the Congress and the Telangana government, the summit features discussions on global geopolitics, democracy, climate change, artificial intelligence and progressive politics.

The controversy has particularly brought Norwegian journalist Helle Lyng into focus, after she claimed that her Indian visa was cancelled shortly before her scheduled departure for Hyderabad, where she was due to participate in a panel discussion on media and press freedom at the Bharat Summit.

In a post on X, Lyng said she had received a visa from the Indian embassy in Norway and was scheduled to travel to Hyderabad on Friday. However, she alleged that her visa was cancelled shortly before she was due to leave for the airport, citing "orders from above" in the ministry of home affairs.

Lyng's case has also drawn attention because of her earlier interaction with Prime Minister Narendra Modi during his visit to Oslo in May. The Norwegian journalist had questioned PM Modi on press freedom and his reluctance to take questions from journalists during the visit.